

द्राप्तावी द्राक्कामन वेद्रेक्षी दनशन
(१:१-२०)

द्राक्कामन जन दून

१) रूठ पीजावन्न जजना र्नेप्पा ब्रह्मे, इजा जन्ना पाप्पो इद्रा जन्न-
शप्तीने जानाश्र्मै, जन जन्न-शप्तीपे इजा जाह्य पान्द्रैम । न्द्रा
दीमन नीजने जेजा जेजा वेपान नीक्कीज बशीव, इजा जाजे नाम गुत्राश
रूपत्ते जागैम । जन्न-शप्तीपे नाम प्हीनीक्का पाछाह्य नीजन गुत्राश
द्राप्तावी द्राक्कामने इजा द्राप्तरजा जानाश्र्ता । २) द्राप्तावी द्राक्कामे जन्ना
पाराख जन इद्रा जन्न-शप्तीन शाप्कीन वेपाने जज दनशन देप्पत्ता, रूठ
दनशनन वेपानेठु नाहन जवागवन्दी दीत्ता । ३) जन द्रुठ जमठु मेपा-
पापारी, जेश्म इ पाराखन जगाश प्पवन रूपत्त जीत्तावन्न पानैम, जन
जानार मेपा-पापारी, जेना इ पाराख द्रुगैम, द्रुगीज प्तानी जमन्न
पानैम; पानन शशपे न पानन्न जश्र्के ।

४) - ५) जे जशी द्राक्कामे नुमान वादशाह्य जप्तीज देशन शान्न
जमान गेद्रे रूठ जवागवन्दी र्नेप्पत्ता । जेश्म जद्रत्ता, जेश्म जद्रैम
जन जेश्म द्राशेशा नश्वा द्रुठ जन्ना पाप्पा, जन नाम नप्पन्न द्राशने
जे शान्न नमुमान नुद्रु, नापौम, पेना जन जेश्म द्रापा-प्रात्तार शाप्की
द्रुठ इद्रा जन्न-शप्तीपे नुमनाने नद्रमन्न जन शक्की दान पानठप्पा ।
नाहन न मुनदा रूपत्तन शाज नाप्ती पपेत्ता जीन्दा ब्रह्म ठुछीद्रैम,
नाहनठु दुगीजन राजा रूपत्तन वादशा । नाहन जमनाने मद्रवन्न
पानैम, पेनत्तागी नीजन जान प्पन्नवागी दीज, जमनाने गुमान
शाजा नाप्ती वावाश्र्मैम । ६) नाहन जमनाने ब्रह्म पेपा वादशाह
जीजन प्तानीज, नाम गाहवी वाप्प जन्नान पेवादजीन त्तागी इमाश
वावाश्र्मैम । नाम म्पतीशा जन प्पद्रुनजी वन्न प्तान-द्राशेशा वन्नजश्र्म
नठप्पा । जशीम ।

७) द्रुमन्न, नाहन शेवन्न नापान्न ब्रह्म नशनीप्प जमना, पननेपो
जानने वठुप्पदी देप्पव, जाना त्तापप्रीदी वागाह्य द्रुत्तीवन्न गागीज जानने
पानन्न पान्द्रैन्न जानार देप्पव, जन नाम त्तागी दुगीजन द्राप्तर जाजीपे
जुने जुने प्पाम्दीवा । रूठत्ताठु रूठप्पा, जशीम । ८) जन्ना गावुदे वाजाह्या,

“जशीठ जनीपू जन इत, जेशम जफैम, जेशम जफता जन जेशम प्ताशेशा नहवा । जशीठ शनव-शप्रीमाम ।”

प्राजनम इद्रान मुनन फुनन

ॐ जशी न मुननान गाह प्ताम्लान, प्राजनम इद्रान उख्जम ज्ञापे जशीम मुननान राप्पाम पेदाइ पाकू, पेदाइ बादशाह जन पेदाइ फुवनन नागी ब्रह्मी । ज्ञान पान्नाम नवनीम पानापे जन इद्रान पम्पे जवानवन्दी देवजपे ज्ञाने पान्नाम नाशन दीपन नीज वनवाश देवज ब्रह्मी । ॐ पे गाजे प्राजनम इद्रान पवीम दीम, पेदा नवीवाने जशी ज्ञानाइ पादा मुद्रान गाजे पुनापुन पुवी गेताम, ब्रमन शशपे ज्ञान प्नेदी शीमान जज्ञजन राप्पाम पेदा जज्ञज पुननाम । ॐ पुननाम, पुन, पेदा जने ज्ञाने पाहना, “पुनन, मुनी ज्ञान जेता देवजपे, इता पेदा पीजावन्न देवज, देवीज इफ्फे, इजमीन, फनगाश, नुजनीना, दानदी, फीरादेवफीज जन ज्ञानदीपेन हाठनन शानन जमान गेदे पाठान ।”

ॐ जमान गे जेशम शानीना, जानने देवज प्नीजने जशी प्नेदी बुननाम, बुनीज देवी, शुमान शानन वेनागदानी । ॐ ब्रठ वेनागदानीन गाजप्पामन्न इवने-जदशन राप्पाम पेदाजने देवजनाम । नाम फीम पान पनजम राखा पाहद्यावी, जन बुपुन उपने शुमारी पेदा पछेही ।

ॐ नाम शानान मुद्र पुनन राप्पाम पता वपावपा । नाम वठपुन जगुनीन मुद्रान राप्पाम । ॐ पान ब्रह्मी, जगुनदी जानाहज गावीन पनीपुन पाना वपावपा पीननन राप्पाम, जन नाम गतान जज्ञज ब्रह्म, जुने जुने पान-पानाहज जानन पानीन फुनन राप्पाम । ॐ नाम मुद्रन पुनन जप्रीन पुना पननन पानना शुपुनन राप्पाम । नाम मुद्रन पानी जानाहज पेपाम ननुजन वानब्रह्म, इ ननुजन दुह्र गातावापे पान जप्रीन, जन नाम डाहन जज्ञ जप्रीन जफमानन शानन जेना ।

ॐ जाने देवीज जशी मनन राप्पाम नाम पानन पान्नाम पची नहनाम । नेठ नाम नीजन डाहनन जन ज्ञान उपने नहज पाहना, “डनाहन्न ना । जशीठ जठजन जन जशीठ जप्पेन, ॐ जशीठ प्राहठन-पाहठम, जेशम नीजे नीजे पान-प्राशेशा जप्री । ज्ञान मठन ब्रह्मीन, ब्रह्मे ज्ञान जशी जुग जुग पनी वीनपान जीमा जप्री ।

खड्डन नन ढापेवनन ढावी नखान ननन नढे । ११ ऐननरगीड नुषी नूढन
जेनर ढेढनरारे, ऐन नगे जेनर बडीढे नन ढाढे जेनर बडीव, शनर ढरढरननर
नुषी न्नेढीन नन । १२ नुषी शुनरन जे शनरश ढेनरगढरनी ढेढन नन
नखान डरहन ननन शनरश नेनर ढेढन, शनरन खानी ननर, शनरन नेनर
ननर शनर नखानन शनरनन ढरनीनर, शनरश ढेनरगढरनी ननर ढरड
शनरन नखान ।

शनरन नखानन नरगी डनढेश

(२:१-७:२२)

(१) शरुषीनर नखानन गेढे

२ “शरुषीनर शडडन नखानन ढरनीनरन गेढे न्नेढन: जेशन नीजन
डरहन ननन नढनरन शनरश नेनर ढनीन, शुनरन शनरश
ढेनरगढरनीन खरननरन ढरनर-ढरनीनर ढरनैन, नरहन नड ढरनर ढरशर,
३ “नरुषी न नुषनरन ढरख-ढरख, नुषनरन खेनन नन नुषनरन
ढरवन ढरनरन नरनी । नरुषी नरनी, नुषनर ढरनुनरन ढढ खरनशने शरहन
ढरननरारे ढरनन नर, नन ढरनररवी नर ननरनर जेगुशने नीजेने ढरनररवी
ढरश ढरनीनरारे ढेशन, नरनरने ढरनीढर ढरनीनर ढेढन, नन ढरनखरनर
ढरशढ नरनर जेन ढेशखरनी खरनेन । ४ नुषनरन ढडन ढरन नढे, नुषनर
नखान नरगी ढडन ढररु ढरनरारे, ढरनुनरने ढरनरन ननर नर ।

५ “ननरने नुषनरन ढीनुढे न नखान नरनीनर नढे, नुषनर ढरऐनर
नखाने जेनर खरनरन ढरननरारे, नूढन शनर ढरढ ढीनररशढ । ६ नुषर ढीनर
ढरनी ढेढन, नुषनर ढरन डरनर नरढी ढरन नरखान नरुषी गेढे । श ढरनरन
नरढी ढीनर ढरनररशर, नगे जेनर ढरननरारे नूढन ढरीनरनर ननर ढरनन ।
नन नुढी ढीनर नर ढरनीनर, ने नरुषी नुषनरन गेढे ननर नुषनरन
ढेनरगढरनीनरन नरग नरढी ढरनरशरीनर । ७ नुषनरन न ऐढरश गुरन
नढे, नीढरनरऐनी नढरने जेनर ढरख ढरनैन नुषनर शनरने डीनर ढरनन,
नन नरुषीनर शनरने डीनर ढरनी ।

८ “नरन ढरन नढे ढे ढरनडढर, ढरढर नुढे नखान नढरनने
ढरीनर ढरनरशर । जे नन नैश ननरने नरुषी नरनर ढरढरन नरनरनर-
ढरनरडडनर जीनेगी-गरढरन ढरनर ढरनरने ढीनर ।

(२) इज्जीन जमानन गेद्रे

७ “इज्जीन हाउमन जमानन फ्हीनीक्यान गेद्रे ब्रुत पात्ता त्रेप्पन्नः जेशम जउजन्न जन जप्पेन, जेशम शाना गेद्रेत्ता, वादे जीम्हा ब्रह्मैम, ज्ञाशम ब्रप्पाम पाहना,

८ “जशी न नुञ्जानन ब्रगाव-ब्रमहम जन पाक्कन पात्ता जामी, ब्रह्मे ऐनवादेन नुञ्जना चमी। जेजा शानसे प्पाशी इत्तुदी गाणे नीजन पनीचपे देपे, ब्रन्म इत्तुदीन जसन्न गाह, वरुं इवत्तीप्पन दत्तन शानुश, इजापे नुञ्जानन वीनुप्पे पीजा शानीना जशी न जामी। ९ नुञ्जना जे शप्पीवजन गाजे प्पवापे, इ शप्पीवजने पेदादुम उनाइन्न गा। जामन्न नी, इवत्तीप्पे पनीप्पत्ता पात्तान नीन्नने नुञ्जानन शानन पापेजमने जेन्न ब्र दीव, दामन्न नुञ्जना दश दीम पाक्क पाहवापे। द्दुमन्न, इशामन पन्ने नुञ्जना मनम पनजदु दाम-दात्तान नइन्न, जेउ जैन्न शाना पीशावे जशी नुञ्जानने जप्पेनन जीम्हेगी दीम्हा।

१० “जान पातम जप्पे प्पे द्दुमउत्ता, पात्ता नुप्पे जमानन ब्रप्पन्नने पीजा वाजाहना। जे जम जैइ ब्रह्म, द्दुत्तानावानन मउजे, शानी दुजप्पे ज्ञान प्पेजी पात्तान प्पुत्तु शाहम्हा गाह।

(३) प्फनगास जमानन गेद्रे

११ “प्फनगास हाउमन जमानन फ्हीनीक्यान गेद्रे ब्रुत पात्ता त्रेप्पन्नः पाननत्ता जे ननुत्तानन दुइन्न गात्तावापे पान जप्पे, ब्रुत ननुत्तानन शान्नीपो ब्रप्पाम पाहना,

१२ “नुञ्जना प्पुम जागाज वशज पाननापे इजा न जशी जामी, इप्पामन्न इवत्तीप्पन शीप्पाशम जप्पे। ब्रह्मे जमान वेत्ताने नुञ्जना दाम-दात्तान जप्पन्न, जमान उत्तानन इशामने ब्रह्मीपात पानदु गा। जमान नवत्तीम पानना द्रुत दाम-दात्तान जम जप्पीपात्तु जेवत्ता पाजन्न ब्रह्मत्ता, इवत्तीप्पन जप्पदान गाजे, नुञ्जानन हाउमन्न ज्ञाने प्पुम पात्ता ब्रह्मत्तीन, द्रुत शअपेन्न नुञ्जानन इशामने ब्रह्मीपात पानदु गा।

१३ “जा-न्न नुञ्जानन वीनुप्पे जमान पीप्पु, शान जप्पे। नुञ्जानन ब्रमन्न ब्रत्ता पीप्पु, शानुश जप्पेन, जेजापे शप्पुता नवीन जसन्नन नन्द नवी वात्ताशन ज्ञान्नीणे वत्तैम। ब्रुत वात्ताणे वादुशा वात्तापाने पीप्पाइप्पीन्न, जाने

प्रे देवज्ञान शुभनीन द्वाभनन पशाद् प्पान्नजश्रन जन जीना पानाश्रन,
वनी इन्द्रनाश्रने गुमान पन्ने गेपे। १८ शना द्वापान्न नीपुत्तापेनी ब्रपान्नन
जातीये जेजा नवैम, ब्रजा पापेगुन्न मुभनान ब्रन्न जद्वेन। १९ ऐनरागी इ
पान्नन नापती मुभना दीर वद्वान्न, जन ना वद्वतीने जशी प्पुव जरादी
मुभनान पान्न जश्रु, जश्रन जमान शुभनन ननुजनदी ज्ञानान नगे
जीपताद् पान्न,।

२० “जान पान्न जद्वे प्रे प्पुनउप, पापु नुप्रे जमान ब्रपान्नने पीजा
वानाश्रना। जे जन जैइ ब्रह्म, जशी ज्ञाने नुपुताश्र वेप्रेझी शान्ना नापती
नुपु शान्ना जन पेपुता चरा पान्नन दीशु। ब्रउ पान्नन उपने ब्रमन
पेपु नाश्र नेपुता नापुव, इ नाश्र प्पेउ बीने ना; जे जने ब्रउ पान्नन
पाश्रव, प्पान्ती प्रे-उ इ नाश्र बीमव।

(८) नुजनीना जमान गेप्रे

२१ “नुजनीना शान्नन जमान प्पनीनीश्रान गेप्रे ब्रउ पान्ना नेपुन्नः
जज्ञान प्पान्न शापेन जन इवगुन्ना, ज्ञान वउपु ब्रह्म जगुनीन नुपुपान
शान्पान, पान्न दुश्रपुपान शादीन पनीश्रपान पाना वपुवपुता पीजन्न
शान्पान, जाश्रन ब्रपान्न पाश्रना,

२२ “जशी न मुभनान पाश्र-पान्न, मुभनान शापेन-शपुन्न, शमान,
पुजमान जन मुभनान प्पुवन पान्ना जानी। जन ऐनपुपान्न जानी, मुभना
नगे जेजा पाश्र पान्न, ब्रपुन ऐन नापती जनन्न वेशी पाश्र पान्नापे।

२३ “ब्रह्मे मुभना न इजावेन्न माभन ब्रउ वेडीने जशनपे दीनपे,
ऐनरागी मुभनान बीनुपुदे जमान ऐपुपान पान्ना जद्वे, जाइ नीजने
नवी पाश्रन पनीवपे देपे। जमान वन्दा ब्रपान्नने जाइ जीना पाना जन
देवज्ञान द्वाभनन पशाद् प्पान्नन प्पतीपाश्रन वे-पन्ने नेनगी। २४ ब्रउ
जीना नापती नउवा पानान रागी जशी जाश्रने शशपे दीपुनान्न, ब्रह्मे
जाइ नउवा पानने नाजी नापे। २५ प्पुनन्न, ऐनरागी जशी जाश्रने पेपु
वीपुनान्न प्पान्नाश्रन न्नुश्रु, जाश्रन नगे जेजापे जीना पानैम, इजापे
जुदी नउवा ना पानैम, जे ज्ञानानेन्न वपु शपुवीवन्न प्पान्नाश्रु। २६ जाश्रन
पुज-पुजनीनेन्न जशी शानीतीशु। जेउ पपान्न जमाने जानीतीवा, जशी
न शानशन दीन्नन जन मन्न प्पुवन नापती। जशी जशन-नशा देपुनीन
मुभना पननेपुता जनन प्पन्न दीशु। २७ नुजनीना जमान नापती मुभनीन

ब्रह्मन्तरे पाश्नाश, मुञ्चना जेना ब्रह्म वेष्टीन पाश्नापे वत्तन्न मा, शासन्ये जेजाने श्वन्तीध्वन गश्म ज्ञात्रीश पौम, मुञ्चना जेना द्रुत्त पन्म बीमन्न मा, जशी मुञ्चाने द्रुत्तना द्रुत्तु, बाव दीजाश मापे । १९७ प्पात्री मुञ्चान जेजा जद्रे, जशी ना जन्नत पनजकू ब्रह्मनाश्मने मुञ्चना मजवुज पानी चनीज नश्न ।

१९८ “जमान गाश्वी बाष्पे जेजा द्रुत्तन्न जानीन उदने जमाने प्पेञ्जा दीध्रैम, जेना जैश ब्रह्म, ज्ञानानेन्न जशी ब्रह्म प्पेञ्जा दीध्रु । जशी जे पाशे प्पुशी ब्रह्म ब्रह्म पाश जेना जप्पेन पनजकू पानव, ज्ञाना इ प्पेञ्जा पाश्वा । १९९ ज्ञाना द्रुत्तन ज्ञात्री दीज शज्ञान शाशन पानवा, जन गाष्टीन पाजीत्तन ज्ञापान शज्ञाने द्रुत्तमान पानवा । २०० जेना जैश ब्रह्म, जशी ज्ञाने प्पजवन श्रुत्त-जेनान्न दीध्रु ।

२०१ “जान पान जद्रे प्पे द्रुत्तुमउत्त, पात्त द्रुत्ते जमान ब्रह्मन्तरे पानीजा वाजाश्ना ।

(९) द्रानदी जमान गेद्रे

“द्रानदी शासन जमान प्पनीशज्ञान गेद्रे जेत्तन्न: जज्ञान शाज नश्मान द्रुत्तु, जन शाजशा जेना जेशन चनीज नाप्पद्वैम, ज्ञान ब्रह्मना पाश्ना,

“मुञ्चान पाश-पाज ज जशी जानी । मुञ्चना जीम्मा जद्वन्न पानीज मुञ्चान वत्तन्न श्रुत्तना जद्रे, ब्रह्मने जद्वन्ते ज मुञ्चना श्रुत्तदा । २०२ मुञ्चना द्रुत्तना ब्रह्म उचन्न, जन वाद्-वाप्पी जन्ना म्चान पन्नी ब्रह्मगेद्रे, शज्ञाने वत्त जुगात्त । द्रुत्तन्न, जमान जज्ञान द्रुत्ताने मुञ्चान प्पेत्तान पाशन्न जशी शचीत्त देत्तद्वी ना । २०३ ऐन्नागी मुञ्चना जेजा पाश्द्रु जन जेजा द्रुत्तद्व, ब्रह्मा इत्तदु नाप्पन्न जन जन्नत पानन्न । मुञ्चान ब्रह्मनाप्पु-द्रुत्तन्न नाप्पी दीज वद्वत्तन्न । मुञ्चना जुदी द्रुत्तान ना ब्रह्म, जे जशी द्रुत्तन ज्ञापान श्रुत्तनाश्न जश्न, द्रुत्तन वत्तान मुञ्चान गेद्रे जश्न, मुञ्चना श्वेनउ पाश्नापे मापे । २०४ जे ब्रह्म द्रानदी जमानन्न मुञ्चान ब्रह्मा पापेजम शासन जद्वैम जेजान श्रुत्तान्न द्रुत्तु, प्पुत्त माश, शागी ज्ञानान वत्त-वत्तन्न प्पानापीन वापे गेद्रे ना । ज्ञाना पनेजमान वम्मा, ऐन्नागी ज्ञाना पनीशज्ञान चत्ता श्रुत्तान्न प्पनीम्मीज जमान वत्तान्न-प्पनीना पानवा । २०५ जे जम जैश ब्रह्म, प्पे ब्रह्मा चत्ता श्रुत्तान्न प्पनीमव । जप्पेजान्न

जीवेगी प्नाजा नापती ज्ञान मास जशी प्नु,दीमन्न प्हुन्नमास गापे। वरुं ज्ञान गाहवी वाप् ज्ञान प्नीनीक्षा ब्रह्मज्ञाने जशी ज्ञाने ज्ञान पाह ज्ञीपान पानम्।

७ “जान पान जप्ते प्ते प्नु,नउप, प्नाप नु,पते जज्ञान ब्रह्मज्ञाने प्नीजा वान्नाह्या।

(७) प्नीनादेरप्नीज जज्ञान गेद्रे

८ “प्नीनादेरप्नीज हाउमन जज्ञान प्नीनीज्ञान गेद्रे त्नेम्पन्नः जेश्न प्नाप ज्ञान प्नाप-पवीन्न, जेन जज्ञन्न वादशा दाउद गवीन बावी जप्ते, जेश्न प्नु,पते ज्ञान प्नु, वम् पानन पाने ना, ज्ञान वम् पानने प्नु, प्नु,पते पाने ना, ज्ञान ब्रह्मज्ञान पाह्या,

९ “जशी न नु,मनान प्नास-पान जागी। प्नु,मन्न, जशी नु,मनान ब्रह्मज्ञाने प्नाम द्नु,न प्नु,ना नाप्पन्नास, श्पान वम् पानान प्नेमना प्नु,नन नाह। जशी न जागी, नु,मना प्नु,व प्नासज्नु,न, प्नेवादेर नु,मना ज्ञान प्नु,पु,म जज्ञन्न पानन्न ज्ञाने ब्रह्मीपान पानन्न ना। १० जेना श्पु,दी पाह ज्ञान नीजन पनीनपे देपे नु,मन जप्ते श्पु,दी गापे, श्वती-शपेनामन द्नु,न प्नु, वेश्मन्न ब्रह्मज्ञाने जशी नु,मनान गेद्रे जगाह्य, नु,मनान पानन्न पनाह पादुमवु,दी पानाह्य, ज्ञान ज्ञानाने जगाह्य दीम्, जशी नु,मनाने श्पु,न्न पानी। ११ नु,मनाने प्नु,व पानान ज्ञानी जशी जे प्नु,पु,म दीप्पन्नास श्पु,ना नु,मना शानन्न; प्नेनागी इ द्नु,नीज न पाने श्पु,दीवन्न जे श्पु,पे ज्ञान जज्ञान, प्नु, वेश्मन्न नापती जशी नु,मनाने प्नु,पानन पानम्। द्नु,नीज शाननने पनीप्ता पानान ज्ञानी ब्रह्म श्पु,दीवन्न श्पु,पे ज्ञान।

१२ “प्नु,मन्न, जशी प्नु,व जज्ञानी ज्ञानास। नु,मनान जेना जप्ते ब्रह्मज्ञाने श्पु,न्न पानी पनीज नाप्पन्न, जाने नु,मनान जेन्न शान्ना प्नु, पान्नीज नीज ना पाने। १३ जे ज्ञान जेश् ब्रह्म, ज्ञाने जशी जज्ञान जज्ञान वन प्नेनाश प्नु,शी वानाह्य, प्ते ज्ञान प्नु,दीमन्न वानन्न ज्ञान जाह्य गापे। जशी ज्ञान पानने जज्ञान जज्ञान मास ज्ञान जज्ञान हाउमन मासन्न त्नेम्पम्। प्नु, हाउमन्न ब्रह्मज्ञाने गेद्रे जेनु,जाने। वेदोन्न शान नापती, जज्ञान जज्ञान पानन्न नापती प्नु, हाउमन्न ज्ञानी ज्ञान। ज्ञान जे ज्ञान जेश् ब्रह्म, ज्ञान पानने जशी जज्ञान गेद्रे मासपानन्न त्नेम्पम्।

१० “जान पान जफ्रे प्ते प्दुमउप, प्पाप नुप्ते जमान ब्रपदरने पीजा वानाश्या ।

(१) तारदीपते जमान गेद्रे

११ “तारदीपते शकनन जमान प्हीनीकान गेद्रे त्रेपन्नः जेम माश जशीम, जेशन प्पा-प्पारार शम्पती, जेशन ज्ञान प्पापे पाना प्पापन्नान श्रुत प्पुष्टी, ज्ञान ब्रपान प्पाश्या,

१२ “जुमनान प्पाश-प्पाजन पाना न जशी जानी । जुमना ब्रपारे मा चाण्डा, मा मनष । जुमना प्पापे चाण्डा मा न्ने मनष ब्रपरे वारा ब्रपरे न्ने । १३ ब्रपरे जुमना न उषती मनष, मा चाण्डा, मा मनष, ऐनरागी जशी जमान श्रुत प्पेन्न त्पापान न्नु पानी जुमनाने प्पापाराह दीश्रु ।

१४ जुमना न प्पाश्यापे, जुमना वकन चमी, जुमना वदन्तुप ब्रपेद्रे, ऐनरागी जुमनान प्पापान ब्रवाव माश । श्ना प्पुव वारा पाना, ब्रपरे जफ्रे न जुमना वुज्यापे मा, जुमना प्पुव द्पुप्ती, प्पांगार, गनीव, जम्पा न त्रेषश जफ्रे । १५ ऐनरागी जशी जुमनाने ब्रउ उषदेश दीनाश, जगुशदी जाराश्र प्पाशी श्रुना जुमना जमान गेद्रे न्नापी रश्र मेन्न, जाने जुमना प्पापान चमी ब्रपारे पानन्न । जमान गेद्रे न्नापी चरा त्रेवापु रश्र नीन प्हीमन्न, जेउ जुमनाने न त्रेषश देप्पा जाश्र मापे । जमान गेद्रे न्नापी वपुज त्पागानीन श्रुनशा रश्र मेन्न, जेउ जुमना प्पापान वउप्पे देप्पवापे ।

१६ “पुनन्न, जशी जेनाने शापेन पानी, जानान दुश-जीनुष्टी देप्पाह देश न शाशनन पानी । ऐनरागी जुमना उषती मनष न्नापी पुना मनष ब्रपरे न्नेवा पानन्न । १७ जानन्न नी, जशी पुनन गेद्रे उवाश्र पुनन्न रुपाश्याश । जमान गनान जन्नज पुनीन जुदी पौउ नान पुनन प्पुत्तीन देपे, जे जशी नान नीनने प्पाशाश्रु, नान रगे प्पाणा-दाना प्पाश्रु, न प्पा-न्न जमान रगे प्पाणा-दाना प्पाश्रव । १८ जशी जेरा जैश ब्रपरे जमान गाश्वी वापुन्न रगे नान ववीन्न ननशन प्पुनन्नीन वदन्ती, तीपा न्न त्पापान जे जम जैश ब्रपरे, जानेन्न जशी जमान रगे जमान प्पुनन्नीन वन्नन न्नीपान दीश्रु ।

१९ “जान पान जफ्रे प्ते प्दुमउप, प्पाप नुप्ते जमान ब्रपदरने पीजा वानाश्या ।”

जज्ञान पवीत्र जप्पन दनशम
(४:१-८:१४)

जज्ञान जप्पन फ़ासने पेवादज

४ ऐवादे ङषी दनशम देप्पनास, वेत्तेञ्जन पेप्पाम दुत्तन प्पुत्ता ङद्रे ।
 ङन ङषी ज्ञान गत्तान ङत्तजज द्दुमनास, शैंगान ङत्तजज
 ङाप्पाम जेश्म ङगे शाजीदुत्ता, नाश्म ङसाने डाप्प दीत्ता, पाश्ता, “ङुशी
 ङग्न ङुठीङ ङत्त । ङषी ङप्पम ङुसाने देप्पाश्म, ऐवादे प्पीत्ता प्पीत्ता
 नीत्तीङ ब्बहीव ।” १ डाप्प द्दुमान ङगे ङगेळ ङषी पाप्प ङुत्ते पाशीङ
 ङहत्तास, ङन देप्पनास, वेत्तेञ्जन शाजे पेप्पाम जप्प ङद्रे, ङळ जप्पन
 ङपने पेप्पाम वत्तजज ङद्रेम । २ ऐम द्दुत्त ङहत्त, दाशी प्पीत्ता ङन ङत्त
 ङनीन ङाप्पाम । इ जप्पन वाश्मत्त गत्तावापे ङद्रीत्त नँचेम, श्मा देप्पने पेप्पेने
 पात्तुङ पात्ता ङनीन ङाप्पाम । ३ ङळ जप्पन वाश्मत्त पात्तावापे ङत्त
 व्बहीशप्पाम जप्प ङद्रीत्त, पाळ जप्पत्त वत्तजज ङद्रेत्ता व्बहीशजम ङुत्तवी
 नेत्ता । ऐवान तेवाद्द ङद्रीत्त पत्ता वत्तवत्ता ङन शाङाज ङद्रीत्त शुमान
 ज्ञान । ४ शाळ प्पामन जप्प ङाप्पी गेब्वन जीत्तपानी, ग्गुत्त-ग्गुत्ती डाप्प ङन
 वेत्तुश्मा ङाशनी शब्ब वानत्तनीत्त ङद्रीत्त । ऐव फ़ासने शाज्म ङुशात्त जात्ताश्त
 ङद्रीत्त, इ ङुशात्त ङहत्त ङज्ञान शाज्म ग्गुमान ङुत्तु । ५ जप्पन फ़ासने
 प्फ़ीत्तान गत्ताश्वन ङाप्पाम पनीश्वान पाव्वन पेप्प दनीत्त ङद्रीत्त । ङन
 ङळ शाज्म जप्पन वाश्मत्त गत्ताज्म वाश्मजम जानदान ङद्रीत्त, ऐवान फ़ासने-
 पीद्रे दुहत्तवापे वत्तप्प ङत्तत्ते गत्ता । ६ पापेत्ता जानदानश्व देप्पने शैत्तन
 ङाप्पाम, दुत्तनाश्व वीत्तान्त्तन ङाप्पाम, जीन ग्ग्वनश्व शाज्मश्वन ङाप्पाम ङन
 वाश्म ग्ग्वनश्व ङुत्तान्त्त देत्तना वीत्तन ङाप्पाम । ७ ङळ वाश्मत्त जानदान
 पननेत्तान्त्त प्पेष्ठा पानी डाप्पमा ङद्रीत्त, ङन वाने-गीत्तने वाश्मत्तवापे
 वत्तप्प ङद्रीत्त । ज्ञाना दीन-नाश्म प्पाशेश्व ङळ जीत्तान्त्त पानत्ता,

“पुत्तुत्तुत्तुत्त, पुत्तुत्तुत्तुत्त, पुत्तुत्तुत्तुत्त, नात्तु इत्तात्तुत्त प्पादीन,
 पात्ता ङत्त-त्तुत्त पात्तुत्तुत्त फ़ाश्वत्तनीन,
 पवीत्त, पवीत्त, पवीत्त ङत्ता शावुत्त श्वव-श्व्पीश्वान ।
 जेश्म ङद्रेत्ता, जेश्म ङद्रेत्त, ङन जेश्म प्पाशेश्व नह्वा ।”

जेहन बीनपारात्रीन जीन्दा, जेहन जम्पन्न वन्नज्ज जद्दैन, वन्न
जानदान व्वपत्ते जेवत्ताउ ज्ञान ज्ञानीप्फ, शक्षान ज्ञान शुपानीज
जामाश्म, ७ वन्न शक्षे जेहन जम्पन्न वन्नज्ज जद्दैन, जेहन बीनपारात्रीन
जीन्दा, ऐन द्वाञ्चने द्वाउ वञ्चीशज्जम श्चुनञ्ची नेजा नज व्वश्च शक्षज्जदा
पत्तैन। इ नेजा व्वपत्ते जानजीन ज्ञान्दान ज्ञान शींप्ताशमन द्वाञ्चने
पुत्तरीज नश्च पौन,

८ “वन्न ज्ञानान जद्दा गावुद,
जुष्ठी न श्छज्ज, ज्ञानीप्फ ज्ञान पुद्दुनञ्ची प्पेञ्जान जश्चगे।
जुष्ठीउ न द्वापत्तजा पपेदा पत्तद,
जुष्मान श्चनजीपे द्वापत्तजा पपेदा व्वश्चे ज्ञान शीपतीज जद्दे।”

गाह्वी पीजाव ज्ञान श्छेपान वाह्व्या

वन्न जम्पन्न गाजे जेहन वन्नज्ज जद्दत्ता, ज्ञान डाश्मन ज्ञान ज्ञी
पेप्पाम पीजाव देप्पत्ताञ्च। पीजावन वाने-नीज्जेने पुद्दुत्ता ज्जेप्पा जद्दे,
श्चप्पान श्चान्ना शीत्त पीज शीत्त-वाप्पत्त गावा। ९ वादे ज्ञी देप्पत्ताञ्च,
पुव श्चप्पीजत्ता पेप्पज्जने प्फीनीञ्जापे जुने जुने पाह्त्ता, “श्चत्ता जश्चगे
पौउ जद्दैन नी, जेहन वन्न शीत्त-वाप्पत्त गांगीज पीजावप्पाम पुत्तजा
पानवा?” १० व्वश्चे जद्दग्गान-जञ्चीन वा प्पान्जान गाजे श्चत्ता पौउ
शीत्तन्न गा, जेहन श्चप्पाम पुत्ता वा ऐन नीज्जने देप्पान जश्चगे। ११ जेउ
ज्ञी द्वाञ्चानन पुव प्पाम्पान जश्चत्त, प्पानन इ पीजावप्पाम पुत्तान
वा ऐन नीज्जने देप्पान जश्चगे पेप्पज्जन्न प्पान्न गेत्त गा। १२ वादे द्वाउ
श्चुनञ्ची नेजा व्वपत्तन्न गाजने पेप्पज्जने ज्ञाने पाह्त्ता, “व्ववा, प्पाम्पान्न
गा। पुत्तन्न, जेहन पेप्पुदा प्पाम्पानन शींप्ता, द्वाउदु गवीन वंशपन,
जाश्म जीप्पीदैन। जाश्म वन्न श्चान्न शीत्त-वाप्पत्त गांगीज पीजावप्पाम
पुत्तजा पानवा।”

१३ ज्ञी ज्ञान देप्पत्ताञ्च, श्चुनञ्ची नेजा व्वपत्तन्न, वाश्चन्न जानदान,
ज्ज वन्न जम्पन्न गाजप्पान्न पेप्प श्छेपान वाह्व्या उवाइ नश्चे। देप्पने
गन्न व्वश्चत्त, इ वाह्व्याने जवन्न पाना व्वश्चे। इ श्छेप-वाह्व्यान श्चान्ना
प्री ज्ञान श्चान्ना वउप्प। ज्ञान जे श्चान्न गञ्जान पुद्दुत्ते पुद्दुतीज
गाजे प्पान्नाश्चत्त व्वपे, वन्न श्चान्न वउप्प व्वश्चत्त द्वाउ श्चान्न पुद्दुत्त। १४ वादे

ब्रह्म शेषान् वाहन्मा तद्गन्त, जम्भन् जेहन् वरुजन् तद्गन्ता, ऐम डाहन्
 तन् आप्ती ब्रह्म प्रीजावप्मान् गीत्ता । ८ प्रीजाव मेरुजन् वादे द्रव
 वाहन्त जागदाने तन् वस्तीशजन् शुनस्ती मेजापे ब्रह्म शेषान् वाहन्मा
 शहजदा पान्ता । ऐना पान्तेपान् तन्तन् ऐग्, पानी शानीम्ना, तन्
 तगन्-प्पुशवपे नना ऐग्, शुमान् वाशी तद्गीत् । इ तगन्-प्पुशवपे
 ब्रह्म तन्नान पाप्ता वम्ना ब्रह्मन्त द्नु-शुमाजान् । ९ तन् ज्ञाना मपे
 ब्रह्म गजन्त गाहन्ता,

“प्राप्ती मुष्ठीञ्च शचीप्रा जन् ब्रह्म प्रीजावप्मान् गीवान्,
 गीत् ऐन् शीत्-वाप्त्त प्पुत्तवान् ।

मुष्ठाणे ज् पान्ता पाना ब्रह्मगीत् ।

मुष्ठी मुष्ठाञ्च ब्रह्म प्रीत्त द्वाप्त्तन् प्पाम्नाम् आप्ती,
 तन्नान त्तागी शान्,श प्पनीद् पान्त् ।

द्वाप्त्तन् जानन् वृत्तीपे शान्ता शान्,श,

द्वाप्त्तन् देश तन् जाती आप्तीन् प्पान्ताम् पान्त् ।

१० ऐनाञ्च तद्गन्त मुष्ठी ऐपा वाद्गन्ताह पाहन् पान्त्,
 तन्नान तन्नान ऐवाद्गीन् त्तागी श्शाञ्च वानाह्त्,
 ऐनाञ्च तन्ना जगन्त वाद्गन्ताह पान्ता ।”

११ वादे त्शी वाहन्ताञ्च, तन् द्रव जम्भन्, वाहन्त जागदान तन् शुनस्ती
 मेजा ब्रह्मन्त वाहन्तवापे वन्तन् प्रीनीञ्चा ब्रह्मन्त तन्तन्त द्नु,गन्ताञ्च ।
 शन्त द्वाजाने-द्वाजान्, द्नु,ष्टी द्नु,ष्टी प्रीनीञ्चा तद्गन्ता । १२ ऐना ज्नुने ज्नुने
 ब्रह्म गजन्त पाहन्ता,

“जे शेषा-वाहन्ताने जवन्त पाना ब्रह्मगीत्,
 ऐहन्त प्पेञ्जा, पान्-दुत्तन्त, त्पन्त, वन्त-शष्ठी,
 ह्त्तन्त, गन्तव तन् ज्ञानीप्त् पान्ताञ्च जहन्ते ।”

१३ ऐनवादे त्शी द्नु,गन्ताञ्च, तद्गन्ताञ्च, जशीञ्च, पान्ताञ्च तन्
 प्रीत्तन् शान्ते जन्त जागदान तद्गे, वा शान्ता गीत्तने तन्तन् जन्ता तद्गे,
 ऐना द्वाप्त्तन्ने ब्रह्मन्त पाहन्ता,

“जम्भन षाजे जेश्म वत्तज्ज जम्भैम,
 माहम जन वत्त षेफा-वाहम्भान,
 जानीप्फ, इह्वज, गत्तव जन प्पेसज्जा प्पान-प्पाम्भेशा जानी वत्तमा ।”

१४) नेत्त प्पत्त वाहनत्त जामदाने पाहत्ता, “जम्भीम ।” जन प्पत्त भुत्तवी नेत्ता
 वत्तमात्त गत्त वत्त शह्वजदा प्पानत्ता ।

गजवी शान्ता शीत-वात्तज्ज जन शान्ता शीमा

(७:१-११:११)

प्रीमावन प्पेत्ता ढ्ढेत्ता शीत-वात्तज्ज प्पत्ता

७) वादे जम्भी देप्पत्ताण, प्पत्त षेफान वाहम्भापे जेवत्ता शानत्त शीत-
 वात्तज्ज षाजे न्नाप्पी प्पेत्ता शीत गांभीत्ता, वत्त शषपे प्पत्त वाहनत्त
 जामदाने षाजेने पेत्तज्जे चाह प्पदान जत्तज्जने त्ताप्पाम जुत्ते पाहत्ता,
 “जत्त ।” १) नेत्त जम्भी वाहन देप्पत्ताण, प्पत्ता पेत्ताण वुत्ता, पेत्त उप्पने
 जेश्म ढ्ढेत्तज्ज वत्तज्जे जाम जत्तज्ज जीम-पम्भमा जम्भे । जाम षाम्भान जाम
 त्तामाहत्त वत्तज्ज, माहम जै प्पाने त्तागी जै प्पानी प्पानी वत्तज्जमा वत्तज्ज ।

२) जन माहम जेवत्ता दुत्तमा शीत गांभीत्ता, वत्त शषपे जम्भी दुत्तमा
 जामदाने जत्तज्ज प्पम्भत्ताण, पेत्त पाहत्ता, “जत्त ।” ३) नेत्त त्तात्त वुत्तमा
 जनपत्ता वुत्ता वानत्तज्ज, जन पेत्त उप्पने जेश्म ढ्ढेत्तज्ज वत्तज्जे, पेत्तने वत्त
 प्पेसज्जा देत्तज्ज वत्तज्ज, जामे माहम दुत्तमा न्नाप्पी प्पामत्त शान्ती प्पाम्भीने जेश्मगी,
 षाम्भेशे पेत्ते-वत्तज्जेने प्पम्भ प्पानेत्त, पेत्तने वत्त पेत्ताण जत्तज्जने देत्तज्ज वत्तज्ज ।

४) वादे षेफान वाहम्भापे जेवत्ता जीम गम्भन शीत गांभीत्ता, वत्त शषपे
 जम्भी जीम गम्भन जामदाने जत्तज्ज प्पम्भत्ताण, माहम पाहत्ता, “जत्त ।”
 नेत्त जम्भी देप्पत्ताण, पेत्ताण प्पान्ता वुत्ता । पेत्त उप्पने जेश्म ढ्ढेत्तज्ज
 वत्तज्जे, जाम जत्तज्ज पेत्ताण प्पान्ता जम्भे । ५) जन जम्भी प्पम्भत्ताण, प्पत्त
 वाहनत्त जामदाने षाजेप्पाम न्नाप्पी प्पेत्त जाम्भ पाहत्ता, “पेत्त दीमाने
 प्पान्ती पेत्त श्चेन गम्भ वा पेत्त दीमाने जीम श्चेन वानत्ती वीत्ते । वत्तने ज्जम्भी
 जपेत्तज्ज जन जम्भान्ता गाम्भान्ता प्पेत्ती प्पानीत्त मा ।”

६) वत्त षेफान वाहम्भापे जेवत्ता वाहन गम्भन शीत गांभीत्ता, वत्त शषपे
 जम्भी प्पम्भत्ताण, वाहन गम्भन जामदाने पाहत्ता, “जत्त ।” ७) नेत्त जम्भी

વાહન દેવદાસ, દ્વારતી નંગન પેદા રૂપ, રૂઠ રૂપાન જેશન રૂપરૂપ, પેઠે માઝ
રૂપરૂપ ઝાઝરૂપ રૂપ માઝ પ્પને પ્પને પ્પાપેવને રૂપરૂપે. પેપાને દુગીરૂપ વાહન વાહન
માઝન પેદા વાહન રૂપને પ્પેઝા દેરૂપ રૂપરૂપ, જાઝે જાના રૂપરૂપ દીરૂપ,
ગીદાઝ દીરૂપ, ગજવી ઝાઝરૂપ રૂપ જંરૂપી જાઝરૂપ દીરૂપ માઝરૂપ જાઝ ગેશન ।

૭ વાદે માઝ જેવરૂપા પ્પાઝ ગઝવન શીરૂપ ગાંગીરૂપ, રૂઠ રૂપરૂપે રૂપી
દેવદાસ, દ્વારવાઝી પ્પામાઝ રૂપે રૂઠ રૂપમાઝ માઝરૂપ રૂપરૂપ, રૂપરૂપ
જેવાને રૂપરૂપાઝ દાઝાઝરૂપ રૂપી રૂપ દ્વારવાઝ રૂપરૂપ પ્પાઝે જવાઝવઝી
દેરૂપ રૂપ રૂપી દાઝરૂપ પ્પાઝ રૂપરૂપે । ૭ પેપા જુને જુને પ્પાઝરૂપ, “રૂપ પ્પાઝ-
વવીઝરૂપ દ્વારવાઝી ઝાઝરૂપ, રૂપરૂપાઝ દાઝરૂપ વીવાઝ પ્પાઝે રૂપ વદ્વા રૂપરૂપે,
રૂપી દુગીરૂપ માઝરૂપે રૂપ દાઝરૂપીઝ રૂપરૂપે દીઝાપે?” ૭ જેઠ પેપા દ્વારવાઝરૂપે
પ્પાઝ રૂપેવાઝ દાઝ પ્પાઝ રૂપરૂપ, રૂપ દાઝરૂપ રૂપરૂપ, જાઝાઝ રૂપરૂપ પ્પેઝઝરૂપાઝ
રૂપ જાઝાઝ જઝ ગાહરૂપરૂપે જાઝાઝ ગઝરૂપાપે દાઝરૂપ પ્પાઝ રૂપરૂપ, પેપાઝ
શંપ્પા દ્વારવાઝ ગા રૂપ વવઝરૂપ, રૂપરૂપ પ્પીઝરૂપ દીઝ વાઝ વાહરૂપે રૂપરૂપ ।

૭ વાદે રૂપી દેવદાસ, રૂપેવાઝ વાહરૂપાપે રૂપે ગઝવન શીરૂપ ગાંગીરૂપ, રૂઠ
રૂપરૂપે પ્પુવ વદ ગૈદ્વારૂપ રૂપરૂપ । રૂપરૂપ રૂપે રૂપરૂપે દાઝરૂપા ધીરૂપરૂપ રૂપ ગના
વાઝરૂપ રૂપે રૂપરૂપ રૂપરૂપ રૂપમાઝ રૂપરૂપ । ૭ મુઝ્વાઝ રૂપરૂપે જેવા ધુઝવા ગાઝ
આપ્પી પ્પાઝા પ્પરૂપરૂપ મુઝ્વાઝે પ્પરૂપરૂપ દેપે, ઠીપા રૂપરૂપા રૂપમાઝન જેવા રૂપરૂપ
પ્પરૂપીઝ જઝીઝન રૂપરૂપે વદ્વારૂપે । ૭ રૂપરૂપા રૂપમાઝ દ્વારૂપ રૂપરૂપ દાઝગઝન
દ્વારૂપ રૂપમાઝ વઝીઝ ગાહવ રૂપરૂપે । પ્પાઝ-વવઝરૂપ રૂપ દીપ રૂપરૂપરૂપ
જાઝવઝીઝ જાઝા આપ્પી વ્પરૂપીઝે । ૭ રૂપ દુગીરૂપ દ્વારવાઝ રૂપાઝ-વાદ્વાશઝ,
માઝપ્પાઝ જઝ, શીપ્પાઝ વવઝાઝ, જઝીપ્પાઝ, વ્પેરૂપરૂપ, ગરૂપાઝ વા રૂપાઝ
વવઝેપ્પા જઝઠ પ્પાઝ ગાઝે ગાઝે, પ્પાઝરૂપ રૂપરૂપે રૂપરૂપ । ૭ જાના રૂઠ
પ્પાઝ રૂપ વ્પાઝરૂપ રૂપરૂપે પ્પાઝરૂપ, “રૂપરૂપાઝ રૂપરૂપે રૂપરૂપ વદ્વા, જેશઝ
રૂપરૂપ રૂપરૂપ રૂપરૂપે જાઝ વઠપ્પન દ્વારૂપ આપ્પી રૂપ રૂપેવાઝ વાહરૂપ
ગઝવ આપ્પી રૂપરૂપાઝે રૂપરૂપ । ૭ જાઝાઝ ગઝવી વ્પાઝ પ્પીઝઝરૂપ દીઝ
રૂપ રૂપરૂપે, રૂપરૂપ રૂપ ઠીપીઝ આપ્પાઝ શાહરૂપ પ્પાઝ રૂપરૂપે?”

રૂપરૂપ શીરૂપ-વાદ્વાઝ માઝા ગરૂપાઝ

૧ પેપાવાદે રૂપી દેવદાસ, દુગીરૂપ વાહન દ્વારવાઝ વાહનઝ
પ્પીઝીઝા રૂપવાહ વદ્વારૂપે । જાઝા દુગીરૂપ, વ્પીઝરૂપ રૂપ વ્પાઝ
ગાઝ-વ્પાઝાઝ વાઝાઝ વ્પાઝાઝીઝ દુઝન વઝ પ્પાઝાઝ રૂપી રૂપવાહરૂપે ।

૨ વાદે ઠઠી દેખઠાઠ, ઠુવે ઠાપી ઠનઠા ઠન ઠ્ઠીઠીઠા ઠઠીઠ ઠહઠા, ઠીઠા ઠઠાઠ ઠીઠઠ-ઠાઠઠઠ ઠાઠ ઠેઠે ઠઠે । ઠાઠઠ ઠહઠ ઠે ઠાઠઠઠઠ ઠ્ઠીઠીઠાઠે ઠુઠીઠ ઠન ઠુઠીઠઠ ઠ્ઠેઠી ઠઠાઠઠ ઠાઠી ઠ્ઠેઠઠા ઠેઠઠઠ ઠઠઠીઠઠ, ઠઠઠ ઠાઠઠઠઠ ઠ્ઠીઠીઠાઠે ઠુઠે ઠુઠે ઠાપીઠ ઠાઠઠા, ૩ “ઠઠઠા ઠઠઠઠઠ ઠઠઠાઠ ઠઠાઠ ઠુઠાઠ ઠઠઠઠઠ ઠાપાઠઠઠ ઠીઠઠ ઠા ઠાઠઠી, ઠઠઠઠઠ ઠુઠઠા ઠુઠીઠઠ, ઠુઠીઠઠ ઠા ઠાઠઠ-પાઠાઠ ઠ્ઠેઠી ઠાઠીઠઠ ઠા ।” ૪ વાદે ઠઠી ઠઠઠ ઠીઠઠ-ઠાઠઠઠ ઠાઠા ઠાઠઠઠ ઠઠીઠાઠ ઠુઠઠાઠ । ઠઠી ઠઠઠાઠઠઠઠ ઠઠઠઠ ઠાઠાઠ ઠાપી ઠેઠ ઠાઠ ઠઠઠઠઠીઠ ઠઠાઠ ઠઠઠે ઠીઠઠ ઠાઠા ઠઠઠે ।

૫ ઠેઠઠઠા ઠાઠાઠઠઠ ઠાઠઠઠ ઠઠાઠ ઠઠ ઠીઠઠ ઠાઠા;

ઠુઠેઠ ઠાઠાઠ ઠાપી ઠાઠઠઠ ઠઠાઠ;

ઠઠાઠ ઠાઠાઠ ઠાપી ઠાઠઠઠ ઠઠાઠ;

૬ ઠઠીઠ ઠાઠાઠ ઠાપી ઠાઠઠઠ ઠઠાઠ;

ઠઠઠઠી ઠાઠાઠ ઠાપી ઠાઠઠઠ ઠઠાઠ;

ઠાઠઠા ઠાઠાઠ ઠાપી ઠાઠઠઠ ઠઠાઠ;

૭ ઠીઠીઠઠઠ ઠાઠાઠ ઠાપી ઠાઠઠઠ ઠઠાઠ;

ઠેઠી ઠાઠાઠ ઠાપી ઠાઠઠઠ ઠઠાઠ;

ઠઠઠાઠઠ ઠાઠાઠ ઠાપી ઠાઠઠઠ ઠઠાઠ;

૮ ઠુઠઠઠઠ ઠાઠાઠ ઠાપી ઠાઠઠઠ ઠઠાઠ;

ઠઠઠઠઠ ઠાઠાઠ ઠાપી ઠાઠઠઠ ઠઠાઠ;

ઠીઠ-ઠઠઠીઠ ઠાઠાઠ ઠાપી ઠાઠઠઠ ઠઠાઠ ઠઠ ઠીઠઠ ઠાઠા ।

ઠઠા ઠેઠાઠ ઠ્ઠીઠા ઠાઠઠઠ ઠીઠીઠ

૯ વાદે ઠઠી દેખઠાઠ, ઠઠઠેઠા ઠેઠ, ઠઠઠઠ ઠાઠાઠ, ઠઠઠઠ ઠાઠી ઠન ઠઠઠઠ ઠાઠઠ ઠુઠીઠે ઠાઠઠઠ ઠઠઠઠ ઠાઠઠ ઠુઠઠઠઠ, ઠેઠાઠે ઠઠીઠ ઠઠઠઠીઠ ઠાઠઠઠ ઠેઠઠઠઠ ઠાઠ । ઠેઠા ઠઠા ઠેઠાઠ ઠ્ઠીઠીઠ ઠ્ઠેઠુઠ ઠાઠઠ ઠઠઠઠ ઠઠઠ, ઠઠઠ ઠઠઠ ઠન ઠેઠાઠ ઠાઠઠઠઠ ઠઠઠઠે ઠઠાઠ ઠઠઠઠ । ૧૦ ઠાઠા ઠુઠે ઠુઠે ઠાઠઠા,

“તમનાન તન્ના જેશ્ન નમ્પન્ન વન્નત્તન તદ્દેન,
તન શેપાન વાહન્માન તનન્નત્ત,
મુમાન શાપ્પી તન માજાત્ત તદ્દે ।”

❖ પેનવાદે ત્રાશામ પ્ષીનીશ્ચા ત્તપાત્ત, ત્તત્ત નમ્પન્ન, ત્તત્ત મુનત્તી નેત્તા
ત્તપાત્તન તન વાહન્ન જામદાનન વાહન્ન પામ્માવાપે ઉવાહન્ના । તાના
નમ્પન્ન દ્વામને શ્શજ્જાત્ત ત્તપ્પીત વાહન્ના,

❖ “તમીમ ।
ત્તાનીપ્પ, મત્તવ, તમ્પન્ન તન શુપ્પાનીત,
શ્છન્ન, પ્પેમ્મત્તા તન વન્ન-શ્ષપ્પી,
તુમે તુમે તમનાન તન્નાનત્ત ત્તત્તપ્પા ।
તમીમ ।”

❖ વાદે મુનત્તી નેત્તા ત્તપાત્તન શાજન પેપ્પાજને તમ્માને વાહન્ના, “વુજનાપે
ત્તી, તન્ના ત્તેવાદ્દ પ્ષીન્દા ત્તત્ત શામુશ ત્તપાત્ત પો, પેના ત્તુત્તશ ત્તાપ્પી
ત્તશ્ષેત્તે?” ❖ તમી ત્તાને વાહન્નામ, “ત્ત શાત્તીપ્પા, શ્ચા ત્ત ત્તપ્પનેત્ત
ત્તાત્તેમ ।” ત્તેત્ત ત્તાશ્ચ વાહન્ના, “પેના ત્તશ્ચા ત્તત્ત જમ ત્તપાત્ત, જેના ત્તત્ત
મપ્પા મપ્પીવજન શાજ ત્તાપ્પી ત્તશ્ષે । ત્તાનાન ત્તેવાદ્દને શેપાન વાહન્માન
ત્તત્તપ્પી ત્તશ્ચ ત્તના વામાશ્ષે ।

❖ પેનત્તામી પેના તન્નાન નમ્પન્ન દ્વામને ત્તદ્દે;
તાના ત્તીન-વાહન્ન વેપ્પેશ્ચી પેવાદ્દ-પ્પામાન શાજે પેવાદ્દ-વન્નેત્તી
પાનના ।

તન નમ્પન્ન જેશ્ન વન્નત્તન તદ્દેન,
ત્તાશ્ચ ત્તીજે પેનાન ત્તપ્પને ત્તાશ્ચ શ્ચામાશ્ચ ત્તીવા ।

❖ પેનાન તન ત્તુત્તપ્પીત ત્તુપ્પ ત્તામત્ત ત્તાપે,
ત્તામીન ત્તીત્તદ્દે ત્તનન્ન ત્તાપે;
શ્ચુત્ત,ત્તન ત્તેજ પેનાન ત્તામત્ત ત્તામત્ત ત્તાપે,
ત્તુત્ત, મનશ્ચ ત્તામત્ત ત્તાપે ।

❖ નમ્પન્ન શાજન શેપાન વાહન્માપેત્ત પેનાન ત્તાપ્પાત્તી પાનવા ।

जाश्न पेयाने जवे-प्तापेज्जन
जीमेदुमी-प्तामीन प्तामन गेद्रे त्ताश्न जाश्वा,
ज्ज ज्जापे पेयान वत्तप्पन प्तामी प्फुप्पीज दीवा ।”

ज्ञान गम्भन शीत्र-वाप्पत्त प्पुत्तान वट्टमा

८

वादे वत्त भेदान वाहम्भापे जेवत्ता ज्ञान गम्भन शीत्र-वाप्पत्त गांगीत्ता,
वत्त श्शपे वत्तुत्ताम ज्जा वट्टा श्शपे वेत्तेत्तत्त प्पुत्त, ज्जत्तज्ज
प्पुत्ता गेत्त मा । १ ज्ज जे ज्ञानज्ज प्फेनीत्ता ज्जत्तान प्तामने उवाज
त्तापौम, ज्जती पेयाने देप्पत्ताम, पेयान ज्जत्त ज्ञानत्ता शींगा देत्तत्त वत्तत्त ।

२ पेयवादे ज्जत्ता ज्ज प्फेनीत्ता ज्जत्त प्पुत्तवामी प्तामन प्तामने
उवाहत्ता । ज्जत्त ज्जत्त श्शुत्ताम ज्जत्त-प्पुत्तवपे प्तामी । ज्जाने ज्जत्तामीन
त्तागी वत्तत्त ज्जत्त-प्पुत्तवपे देत्तत्त वत्तत्त, ज्जत्तत्त प्तामन श्शुत्ताम ज्जत्त
ज्जत्तामी प्तामन, ज्जत्तान ज्जत्ताम प्ताम वत्ता वत्तात्तत्त प्पुत्त-श्शुत्ताज्जत्त
त्तगे शीशामीन त्तागी देत्तत्त वत्तत्त । ३ पेत्तागी प्ताउ प्फेनीत्ताम ज्जत्त
ज्जत्त-प्पुत्तवपे प्पुत्ताम त्तागे, प्ताम वत्ता वत्तात्तत्त प्पुत्त-श्शुत्ताज्जत्त
ज्जत्तान प्तामने उत्तत्त । ४ वादे वत्त प्फेनीत्तापे प्पुत्तवामी प्ताम
त्तापती ज्जत्तुत्त नीत्त ज्जत्त प्तामीत्त ज्जत्ता, ज्जत्ता ज्जत्ता प्पुत्तात्त प्फत्ताहत्ता ।
जेत्त चात्तात्ता ज्जत्तज्ज, जेवत्त उप्ता, जीत्तापामी, ज्जत्त गौत्तात्त वत्तत्त ।

ज्ञानत्ता शींगा

५ ज्जत्त प्ताउ जे ज्ञानज्ज प्फेनीत्ताम ज्जत्त ज्ञानत्ता शींगा ज्जत्तात्त,
पेत्ता वत्त शींगा वाजामीन त्तागी ज्जत्तत्त वत्तत्ता । ६ प्तापेत्ता प्फेनीत्तापे शींगा
वाजामीन त्तागे त्तागे वत्तत्त श्शप्ताहत्त प्तात्तात्त ज्जत्त ज्जत्तुत्त ज्जत्तामत्त
प्फत्ताहत्त वत्तत्त । जेत्त ज्जत्तामत्त जीम वाहत्त पेत्ता वाहत्त, गात्त-गात्तात्तात्त
जीम वाहत्त पेत्ता वाहत्त, ज्जत्त प्तात्तात्त वात्त-प्ताजा ज्जत्ता गेत्त ।

७ पेयवादे प्पुत्तना प्फेनीत्तापे ज्जत्त शींगा प्फुप्पीत्ता । वत्त श्शपे
ज्जत्ताहत्त प्तात्त त्ताम्पान श्शुत्ता पेत्ता वीज प्पुत्तात्त प्फत्ताहत्त वत्तत्त ।
हत्तापे प्पुत्तात्त जीम वाहत्त पेत्ता वाहत्त प्तामी वत्त वत्तत्त । ८ प्पुत्तात्त
जीम वाहत्त पेत्ता वाहत्त ज्जत्तामत्त ज्जत्तात्त, जीम वाहत्त पेत्ता वाहत्त
ज्जत्ता वीमात्त वत्तत्त ।

९ वादे जीम गम्भन प्फेनीत्तापे ज्जत्त शींगा प्फुप्पीत्ता । जेत्त
ज्जत्तामत्त वीमात्त पेत्ता ज्जत्ता वत्त श्शुत्तात्त त्ताम्पान ज्जत्ता ज्जत्ता ज्जत्ता
प्तात्त,

दीजत, पान्नन जन रापपदीदी वामाह्न श्रुनजीपुजाज नश्रता । ३३ पैनरगे
पुन-पानापी, जादु-इमा, जीमा जन दुनी आपीर नउवा पानन मा ।

प्लीनीझा जन पुनुश्रुन पीजाव

१०

वादे जशी देपनराग, वेपेझ आपी पुव शप्लीनता जनप जम
प्लीनीझा राशीज जशना । शेवन वापा जप्लीर नाम वेवाद्र,
नाम श्रुप श्रुनजन राप्पाम वपावपा, नाम पार जप्लीर जगुनीन
पुहीन राप्पाम । नाम शान्पान उपने जप्लीर नैपेगु । ३४ नाम जनर
पुनुश्रुन पेप्पाम पीजाव पुता जप्लीर । नाम डाहनन पार पुनीजन
जन वाउरन पार जशीमन उपने नश्रत, ३५ शीपन राप्पाम पुव जुने
मनजीज उनीता । उउ मनजनन रगे रगेउ चाश पपान मर शाजश
जरजज रश्रत । ३६ उउ शाजर जरजज पुमीज जशी रोप्पाम रागनराग;
पेनशाजे वेपेझ आपी उउ शक् जश्रत, “पुनर, उउ शाजर चाशनी
जरजजे जेजा पाश्रुम, श्ना वानुमी नाप्पन, रोप्पीर मा ।”

३७ वादे प्पु प्लीनीझा, जेमने जशी पुनीज जन जशीमन उपने
उवाज देपनराग, जाहन वेपेझन वापे नीजन डाहन जन पुनरता ।
३८ पुनीज जेशन पान-प्राशेशा नीनपार जीमा जप्लेम, जेशन जप्लेम,
जशीम, पुनीज जन श्जान शानन प्पुनरजा पापेदा पानप्लेम, नाम गाशे
पाप्लेम पाहता पाहता, “जन न देनी रश्रत मापे । ३९ रश्रते शाज मष्वन
प्लीनीझापे शीमा प्पुपीवान दीम जप्लान वानुमी रीता-प्लेता पुना
रश्व । जप्लापे नाम नीजन गुनराग, मवी रपानन गेप्रे जेता वानाश्रुता,
रउताउ प्पुनीव ।”

४० वेपेझ आपी जगे जे शक् पुनप्लीनराग, पेहन प्लीनवान जशाने
पाहता, “पुनर, पुनीज जन जशीमन उपने जे प्लीनीझा उवाज जप्लेम,
नाम गेप्रे जाज, गीज नाम जन आपी पुता पीजावप्पाम गेज ।” ४१ जेउ
जशी पेन गेप्रे गीज पाश्रुम, उउ पुनुश्रुन, पीजावप्पाम जशान जरर
देरजन रागी । जाहन पाहता, “जह्ना गेजगी, नीज पाश्रुम । ह्पाने
पुमान प्पेपे नीमा पानीनीव, रश्रते पुमान मुपनर उउ राप्पाम शीज
रागव ।” ४२ उउ जशी प्ली प्लीनीझान जजन पुनुश्रुन, पीजावप्पाम नीज
पाश्रुनीराग । पाश्रुने शशपे प्पुनराउ जशान मुपनर उउ राप्पाम शीज
रागर, जन गीनीज पानने जश्र प्पेह नीमा रश्रगेर । ४३ वादे जशाने

पान्नन्न ब्रह्म, “ऋषी वञ्ज देश, वञ्ज जाती, नामान् वृत्तीपे भान्ना
भान्ना, जन वादुभान् वेदाने प्तीनवान् ब्रह्मी जागाहने ब्रह्म।”

दुहजम शाफ्ती

११ वादे शाफ्तीवान् त्तामी त्ताचीन त्ताप्पाम पेदाश मन् त्तामन त्तामन्
देवन्न ब्रह्म, जन पेदाजमे पाहन्ना, “दुमन्, पवीन् वापेन्, त्त-
शुदादुन् पावा श्नीप् त्तन् प्तावानी प्तामाने शाफ्ती। शाफ्तीन्
त्तामन् जेना पेवाद्दन् पाने ज्ञानान् प्तीभान् मन्। १ ब्रह्मे त्तत् पावा
वनन् उतामने शाफ्तीन् मा, श्पाम् वाद् देव, श्पाम् न वीचनमी त्तपान्ने
देवन्न ब्रह्मे। ज्ञाना वेत्तन्नीश श्शान् प्ती इ पवीन् जागाप्तामाने पान्नापी
पान्नाह्व। २ जन त्तमी त्तमान् दुहजम शाफ्तीने त्तन्ना श्पेभन्ना दीम्,
इ श्पेभन्ना पाहन् पेना पान्नान् ब्रह्मन् फ्तान् वष्ट प्तीम्पीन्, पेदा त्तजान्
दुहश श्शह् दीम् मवीन् त्तप्पाम् ब्रह्मी वाजाह्व।”

३ पेना ब्रह्मन्ना त्तत् जपेन्, गाद्द ज्जन्, जन त्तत् वेनागदानी ज्जन्,
ज्ञाना न् दीम्-दुमीन् श्शान्नीपान् फ्तान्ने उवान् त्तम्। ४ फ्तोत् ज्ञानान्
प्ती पान्ने वाहन्ने, ज्ञानान् श्पन् शाफ्ती त्तगुश्न वान्ब्रह्मन् पी दुशमन्
त्तामन्ने जागाहन्नीव। जेपन्, जमे ज्ञानान् प्ती पान्नान् त्तान्ने त्तत् दुशापे
मन्ने ब्रह्म। ५ पेना जन्दीम् मवी प्तान्ने ब्रह्मी वाजाह्व, त्तन् दीम् जान्ने
दुम्, शेष मा त्तपे पेन्नामी त्तम्मान् दुन् वम् प्ती दीवान् श्पेभन्ना
ज्ञानान् त्तम्। प्तानीने त्तत् वान्नी, जन जन्वान् प्ती त्तान्ने जेपन्,
मन्ने चान्नीन् जन्नेन् प्ती पान्नान् श्पेभन्ना ज्ञानान् त्तम्।

६ ज्ञानान् जवान्मदी देवन्न श्शे ब्रह्मेने प्तानीन् दुजम् शाफ्ती
त्तत् जान्, जन उचीन् त्तहन् ज्ञानान् त्तमे त्तान्ना प्तानीन्, ज्ञानान्ने
त्तान्ना प्ती पान्ने। ७ जन ज्ञानान् त्तान् त्तत् श्पान्ने श्शान्ने
वाश्वान् माजे प्ती न्ने, जे श्शान्ने ज्ञानान् श्शान्नीपान्ने फ्तान्ने उवान्ने
त्तत्पाहन् प्ती पान्ना ब्रह्मीन्। इ श्शान्ने माश च्चीपन्ना द्वाद्दुश वा श्शान्ने
मा ब्रह्मेने पेदाह त्तप्पाम्ने प्तान्ना। ८ - ९ त्तत् श्शान्ने त्तपान्ने देश,
प्ताम्पान्, त्तपान्ने जान्ने वृत्तीपे भान्ना भान्ने जन त्तपान्ने जातीन्
भान्ने श्शान्ने ज्ञानान् दीम् प्ती त्तत् त्तान्ने दुहजम देवन्ना। जन पेना भान्ना
मेपन्ने प्तानी जन्नेन् दुमीन् वी भान्ने प्तीपे प्तान्नी-त्तान्ने प्तान्ना,
पेदा-ब्रह्मेने उदान्ना दीवा। जन इ त्तान्ने द्वाप्पान् प्तान्ने प्तान्नीभान्

दीजा नापे, पानन ब्रु दुश्र नवीन रागी दुनीजदानी मानशन
पाशु ब्रुश्रीर ।

ॐ वादे दाउ श्रापे जीम दीम पानशर पानने ज्ञान देवज जाग
पेान नीजने दाभाशर, जेउ पेा पारब्र बनदी उवाशरा । जन जज
जने पेाने देप्परा, दापानेउ उनाशर दापीरा । ॐ वादे पेा द्दुमरा,
वेप्रेश्र नापी डापीर जुने जुने पारज ब्रन, “जुमना ब्रग्न उगीर
जश्र ।” जेउ पेा नीजन दुशमनन दाभने पेा शेषन दापान ब्रशर
वेप्रेश्र गेरागी । ॐ ब्रु शरापे प्पुव वद नैद्वार ब्रशर, जन पी हाउमन
दश वाहन पेा वाह गांगी गेर । नैद्वार शान जजान मानुश मनरा ।
इजा देपीर वाद-वापी दापाने उनाशर वेप्रेश्र ज्ञान ज्ञानीफ
पानान रागरा ।

ॐ ब्रु गमगापे द्दुमना गजव पानब्रशर, ब्रशरे द्दुमन, जीम गमन
गजव प्पुव जरदी जशर जजीव ।

शान गमन शीगा द्दुपीरा

ॐ वादे शान गमन पीनीश्रापे जाम शीगा द्दुपीरा । जेउ वेप्रेश्रन
भाजे जुने जुने पेान पान ब्रशर, “ब्रपन न दुनीजन वादशाह जमनान
भावुद जन जाम मदीन द्दुमनन जश्रे । जाहन जुम जुम फनी
वीनपार वादशाह पानवा ।”

ॐ वादे दाउ वडीशनन म्रुनी गेजा, जेना ज्ञान दाभने जानजीन
मप्पन वरजान जद्वरा, पेा ज्ञाने शशजदा पानीर दाशरा,

ॐ “ब्र शनव-श्रापीमान भावुद ज्ञा,
जुमी जगेर जद्वरापे जन ब्रपनन जद्वर ।
जमना जुमान श्दुमन-गुजान पाननाम,
जुमी न जुमान मदा प्पेभजा जजब रशर ब्रपन वादशाह
पाननापे ।

ॐ दापनर जानीपे गुदा पानीर वीराश्रे,
जे ब्रपन जुमान गजव छात्रीवान शरापे ब्रुगेदे ।
म्रुदा ब्रपनर वीवान शरापे जश्रे,
जन जुमान जपन गुराभ मवी ब्रपनन,

दागवेन्न ज्ञान वेत्ता-वाञ्छवाने न्हश्च ऐवान न्गमे त्तादाश्च पानत्त । ५८ त्तादाश्च
प्री दागव जनीगेत्त, ज्ञान ज्ञानाने वेत्तेस्स आप्ती वान पानी देवत्त ब्रह्म ।

५९ पत्त दागवने ज्ञान ज्ञान वेत्ता-वाञ्छवा त्तादात्ते दुमीत्त प्फात्ताश्च देवत्त
ब्रह्म । ब्रह्म दागव ब्रह्म पत्त प्तुत्तामा प्ताप्फ, जेगुत्त माञ्छ श्वत्तीप्फ-
शापेत्ताम, प्ते दुमीत्त प्तपत्त ज्ञानश्चने वे-पत्ती वानापे ।

६० वादे ज्ञानी प्तुत्ताम, वेत्तेस्स आप्ती पेत्ताजमे जुत्ते जुत्ते पाह्ना,
“त्तप्पम ज्ञ ज्ञानान ज्ञानान मात्ताज, ज्ञान वत्त-शप्पी, ज्ञान वादुशाश्च ज्ञान
ज्ञान शप्पीन प्पेत्ता ज्ञानी ब्रह्मगेत्ते । प्तानम जेगीपे ज्ञानान नाश्चत्तम्हने
दुशी वानाश्च, ज्ञाने ज्ञ वेत्तेस्स आप्ती प्फात्ताश्च देवत्त ब्रह्म । प्ते दीम-
नाश्च प्ताञ्छेशा ज्ञानान ज्ञानान गेत्ते ज्ञानान माञ्छे मात्तीश्च दीज । ६१ षेत्ता
वाह्मत्तान न्त्त ज्ञान जान्जिन ज्वत्तीगी जवानवन्दीन वत्ते ज्ञाना श्वत्तीप्फने
ज्जाह्मत्त । ज्ञाना मीज्ज प्तापेत्तने वेत्ती शापेत्त मा पानीत्त, जान दीजेत्त
ज्जुत्त ज्जत्ता ।

६२ “ऐत्तागीत्त ज्ञ वेत्तेस्स, जुत्ती प्तुत्ती पानत्त । जुत्तना जेत्ता
वेत्तेस्सवाशी, जुत्तानत्त प्तुत्ती पानत्त । ब्रह्मे ज्जप्फत्तुत्त दुमीत्त ज्ञान
दुमीत्त त्तागी, श्वत्तीप्फ ज्ञानान गेत्ते त्ताशीगेत्ते । प्ते गुत्तापे प्तुत्त-पत्ता
पानेत्त, प्ते ज्ञ जानेत्त, ज्ञान श्छापेत्त ज्ञान वेत्ती माश्च ।”

६३ पत्त दागवे जेवत्ता देवत्त ज्ञाने दुमीत्त प्फात्ताश्च देवत्त ब्रह्म,
देव्तीत्त पत्त जे वेडीन वत्त प्तुत्त प्तापेत्ता ब्रह्मत्त, प्ते ब्रह्म वेडीन प्पने
त्तामत्त । ६४ ऐत्तागीत्त ब्रह्म वेडीने प्तुत्त वत्त पेत्ता वीत्त प्ताप्पीन दुत्ताम
डात्तामा देवत्त ब्रह्म, वेडीपेत्त ब्रह्म डात्तामादी त्तात्त दीत्त मत्तुत्तुत्त
मीज्ज जागात्त जाह्मा पानवा । प्तमत्त पत्त दागव-प्ताप्फ वत्तात्त
जत्तुत्त श्छापेत्त जीम वत्त ज्ञानने त्तात्त-पत्तात्त पाना ब्रह्म । ६५ जेत्त प्री
प्ताप्फेत्त ज्ञान श्छापेत्त आप्ती प्तानी वान पानीत्त पेत्ता गांम वानाश्चत्त,
गांमत्त प्तुत्ते वेडीने मात्ता मीज्जगी प्तानी । ६६ ब्रह्मे दुमीत्तपे वेडीने शाह्म
पानत्त, श्छ प्ताप्फेत्त जे प्तानी वान पानत्त, दुमीत्तपे शाडीपेत्त ज्ञान प्तानीत्त श्छ
प्तानीने प्ताह्मत्त । ६७ ऐत्तागीत्त श्छ दागव-प्ताप्फेत्त वेडीन वापेत्त ज्ञान वेत्ती
गुत्ता पानत्त, प्ते वेडीन ब्रह्म जत्तात्तत्त प्तपत्तने, मात्ती जेत्ता ज्ञान
प्तुत्ताञ्छे वत्ते ज्ञान प्तज्जत्त श्छान पत्ता जवानवन्दी देपे, ज्ञानान न्गमे
ज्जुत्त प्तानात्त गेत्त ।

६८ मीत्त प्ते दुमीत्त वत्त वान्त्त त्तात्तने त्तात्त न्हश्च ।

दुनीत आफी त्रत्त जागुजन

१७

बादे त्रशी देप्पत्तास, दुनीत आफी पेदा जागुजन उठेन, जान दशगु, ढीं, शाजगु, पात्रा, पननेपा ढींमन शान्नाज पेदाश पानी माज, जन पननेपा पात्रान उठने नामान म्हुण्हुनी मास त्रेप्पा । १ इ जागुजनगु, देप्पने वीजावावन त्ताप्पाम, जान पात्र ब्रह्म गावुपान पात्रन त्ताप्पाम, जन शुप्प ब्रह्म शीपान शुप्पन त्ताप्पाम । पात्र दागवे जान शप्पी, जान गपी जन शप्ता श्पेसजा ब्रह्म जागुजनने दीत्ताश्र । २ इ जागुजनन पेदाश पात्रान गाजे ब्रह्मन पेदा जप्पस त्रप्पीर, ब्रह्म जप्पसे ढो शानन त्ताप्प ब्रह्मगेढीर, ब्रह्म जप्पसश शान्ना ब्रह्मगेर । शना देप्पीत दुनीजन प्तापत्र शामश जाह्लुव वनीत जान प्पने प्पने गेर । ३ जन पात्र दागवे जाने इ श्पेसजा दीढीर पानी शामशे पात्र दागवने शशजदा पानर, पेनरगे ब्रह्म जागुजननेर शशजदा पानर । जाना पाश्र, “इ जागुजनन त्ताप्पाम जन ढो त्रप्पे? जान त्रगे त्राश पानन श्पेसजा पान त्रप्पे?”

४ इ जागुजनने म्हुण्हुनी वृत्ती जन वेशामीनी शानन शुप्प देत्त ब्रह्म । वेत्तरीश शश पनी जान पास शान्नामीन श्पेसजा पाश्र । ५ पेनरागी ढो त्रान वीनुढ्णे म्हुण्हुनी शान शान्नीर, ढो त्रान मास, मास वशज प्पामा जन वेत्तेश्वशी त्रपानर वदमास पानाज नश्र । ६ जाने श्पेसजा देत्त ब्रह्म, ढो त्रान पापा वग्दा त्रपानर वीनुढ्णे ज्हुण्ण पानीत जीतीज पानव । जन पननेपा प्पाम्पान, पननेपा देश, पननेपा जाजी, पननेपा मशुमान वृत्तीपे शानना शामशन उठनेर जाने श्पेसजा देत्त ब्रह्म । ७ शना देप्पीत दुनीजवी प्तापत्र शामशे जाने शशजदा पानव । जगज पापेदा पानन त्रगे जे शेष-वाश्वन्ना जेवन्न पानन पान्ना शाश्वन्न पाना ब्रह्मे, पात्र शेष-वाश्वन्ना जीमेढगी प्पानाज जेनन मास माश, पेना पननेपो जाने शशजदा पानव । ८ जान पाम त्रप्पे, ढो ढ्हुणुणुपा:

९ जे जम वग्दी त्रान पान्ना, ढो ज वग्दी ब्रह्म ।
जगुजनन त्रगे जान ढ्हुणुणु त्रान पान्ना, ढो त्रता ढ्हुणुणु ब्रह्म ।

पेनरागी पापा वग्दा त्रपाने शजवुज शशान जन ढ्हुव पाना जनुन ।

जशीम ऋषी वानरेश्वरं जाम्बवन्

ॐ वादे ऋषी देवपुत्रास, जशीम ऋषी जनपदाश्च जाम्बवन् वानरेश्वर
 उच्यते । शेषान् प्रीतिमान् स्यान्त्यान् ज्ञानं दुष्टं प्रीतिं तद्भे, ब्रह्मते प्रो शास्त्रीज
 दातुं दातवन् स्यान्त्याम् । ॐ ब्रह्म शेषान् प्रीतिं तन्ना जाम्बवन्ते दातुं चपेत्ता
 जाम्बवन्तं दातवन् श्लेषज्ञा वेवदान् पानन् । दुग्धीजनं दातवन् शामशने
 प्रो जुन पानीज दातुं जम्पञ्च नारा ब्रह्म चपेत्ता जाम्बवन्ते शशजदा
 पानाश्च । ॐ प्रो दातवन्तं द्वाशने वद वद प्रोनाशनीं प्राञ्च पानन्, पेशमप्री
 तद्भुवाञ्च ऋषी जशीमन्त्रं तद्भुवन् स्यान्त्याश्च देव्याश्च । ॐ दातुं चपेत्ता
 जाम्बवन्तं स्यामी जन् स्यान्त्यां प्रोनाशनीं देव्यामीनं श्लेषज्ञा ज्ञाने देवज्ञ
 ब्रह्मप्रीतं, ब्रह्मा देव्याश्च प्रो शास्त्रने वे-पन्नी वामाश्च । चपेत्ता जे
 जाम्बवन् नरु, जाम्बवन् द्भेदं प्याश्चरन् वामी गेद्रीतं, ज्ञानं पेदाश्च शुननी
 वामानीनं स्यामी दुग्धना जाम्बवन्ते शामशने पनाशीश्च दीन् । ॐ जन
 शुननीनं नीजने जानं प्रानामीनं श्लेषज्ञा ज्ञाने देवज्ञं ब्रह्म, जाने इ
 शुननीपे शास्त्रीजं चाने, जनं जेना इ शुननीने शशजदा पानन् गापे, ज्ञानाने
 जाने शानानं श्लेषज्ञानं ज्ञाने देवज्ञं ब्रह्म । ॐ प्रो प्रु, वद, पनी-गनीव,
 शुनीव वा गुराञ्च दातवन्ते वाशदु पानन्, जानजीनं डाश्च तन्त्रं वा
 दातवन्तं उच्यते पेदाश्च शीतं शानानं स्यामी । ॐ पेन्नामी ब्रह्म शीतं द्वादा
 प्रो उ प्रु, बीजं पनीद-वीपीनं उच्यते नश्च ना । इ शीतं तद्भुवन्ते दातुं
 जाम्बवन्तं माञ्च वा माञ्च शानपदा मञ्चन । ॐ इना दातवन्तं वुजने वञ्च
 तम्पन्तं दानपानं । जानं तम्पन्तं तद्भे प्रो ब्रह्म जाम्बवन्तं माञ्च दानपन्
 मञ्चनं गमञ्चदा, इना न प्रु, शामशनं माञ्चनं मञ्चन । पेन पनीशाम
 ब्रह्म, ७७७; द्रपेश द्रपेशश्शी ।

शेषान् वाह्व्यां जनं गीष्मन् शाम्बुश

१८ वादे ऋषी वाश्च देव्या, दातुं शेषान् वाह्व्यां जेनु, जाम्बवन्तं
 पनीन् प्रीतिमान् दातुं उच्यते उवाश्च नश्चैम् । ज्ञानं त्वगे तद्भुवन्
 पेदा स्यान्त्यां वञ्चनानीश्च तजानं शाम्बुश । ज्ञानानं दातवन्तं उच्यते ब्रह्म
 शेषान् वाह्व्यां जनं ज्ञानं माश्वी वापन् माञ्च देव्या तद्भे । ॐ पेन्नामी
 ऋषी वेद्रेश्च ऋषी जने जने दातुं दातवन्तं जानन्तं पानीनं द्भुवन्
 तन्त्रं जनं जने चाश्च दातुं शश्वन् स्यान्त्यां पेदा तन्त्रं ज द्भुवन्नाञ्च ।

તન્નાશ ષેષાન વાહમ્બાન દ્વાષાને, ત્રગુશ્ન ત્રન ગમ્બા દીત્ત હ શામશને શાજા દેશ્ત્ર ત્રશ્વ । ૧૧ જે ત્રગુમીત્ર શ્જાને જાન્નાશ્ત્ર ત્રશ્વ, હ ત્રગુમીન પુષા દ્વાગુમીમ વમ્બ ત્રશ્ન માપે । જે શામશે ત્રત્ત જામ્બાત્ર ત્રન ત્રાન શુન્ત્રીન પુજા પાનવ, ત્રગુન માષન દ્વાલ શીત્ર ત્રાગાશ્વ, દ્વે દીન-ત્રાશ્ન દ્વામ્બ શષાષેલ ત્રજાવ આપ્તી વેદ્વાશ્ પ્વાશ્ન માપે ।”

૧૨ પેત્રાગી જેના ત્રજ્ઞાન દ્વામ્બા શાને ત્રન દ્વાજનત્ર શ્દ્વાન ત્રનીપાન હશાને શજવુન્ત્ર નપે, ત્રજ્ઞાન ત્રલ્લ પાપા વમ્બા ત્રપાત્રે હ દ્વાત્રત્રન શાજે દ્વાવે આપ્તા જનુન્ત્ર ।

૧૩ વાદે ત્રગી દ્વાનત્રામ, વેદ્વેશ્ન આપ્તી પેપાજને પાશ્ના, “ત્રલ્લ ત્રપેત્ર ત્રેપ્ત્ર, ત્રપ્ત્ર આપ્તી શાત્રીપાન ત્રનીપાન ત્રશ્ન જત્ર જમન જાન જાશ્વ, પેનાલ મેપા-પાપાત્રી ।” પાપા ત્રુત્રે ત્રલ્લ શાપ્તી દ્વીના, “નીશ્વપે પેનાલ મેપા-પાપાત્રી । ત્રાનાન પામ-પાવ આપ્તી ત્રાના વેદ્વાશ્ પ્વાશ્વા, પાનમ ત્રાનાન પામન પ્શ્ત્ર ત્રાનાન ત્રમે ત્રમે ત્રશ્વ ।”

દુમીત્રન પ્શ્ત્ર પાશ

૧૪ વાદે ત્રગી ત્રાશ્ત્ર દેપ્ત્રામ, પત્રા પેપા ષેષન વાપા, ત્રલ્લ વાપાન લપને વીન-ત્રદ્વાન ત્રાપ્પાન પોલ પેપાજન વત્રત્ર ત્રદ્વાન । ત્રાન શાન્નાન શુમાન ત્રાવ ત્રન ત્રત્ર ત્રદ્વીત્ર પાનાશ્ત્ર પાવી । ૧૫ વાદે ત્રનપા જમ પ્શ્ત્રીત્રા વેદ્વેશ્ન પેવાદ્વાન-પ્પામા આપ્તી વાનત્રશ્ત્ર ત્રશ્ત્રા, ત્રન જેશ્ન ષેષન લપને વત્રત્ર ત્રદ્વા ત્રાનને જુને વીત્રાશ્ત્ર પાશ્ત્રા, “દુમીત્રન પ્શ્ત્ર પાશીવાન શષાપે ત્રદ્વે, પ્શ્ત્ર ત્રુનાત્રુન પાપી મેદ્વે, ત્રપમાન પાવી ત્રાગાલ્લ પાવ ત્ર પ્શ્ત્ર પાશલ્લ ।” ૧૬ મેલ ત્રલ્લ ષેષન વાપાન લપને જેશ્ન વત્રત્ર ત્રદ્વા, પેશ્ન દુમીત્ર ત્રાન પાવી ત્રાગાશ્ત્રા ત્રન દુમીત્રન પ્શ્ત્ર પાશ ત્રશ્ત્ર ।

૧૭ વાદે વેદ્વેશ્ન પેવાદ્વાન-પ્પામા આપ્તી ત્રનપા જમ પ્શ્ત્રીત્રા વાનત્રશ્ત્ર ત્રશ્ત્રા, ત્રાન મેદ્વે ત્રેપ્પાન પાનાશ્ત્ર પાવી ત્રદ્વીત્ર । ૧૮ પેનવાદે દ્વાનવાની પ્પામાન મેદ્વ આપ્તી પેપાજન પ્શ્ત્રીત્રા વાનત્રશ્ત્ર ત્રશ્ત્રા, ત્રાન પ્પેમત્રા ત્રદ્વીત્ર ત્રગુમીન લપને । ત્રશ્ત્ર ત્રાશ્ન જુને જુને દ્વાલ પાવીત્રા પ્શ્ત્રીત્રાને લાપ્તીત્ર પાશ્ત્રા, “ત્રુમાન પાનાશ્ત્ર પાવીપ્પાન ત્રાગાત્ર ત્રન દુમીત્રન ત્રંગુન માદ્વ આપ્તી ત્રંગુન દ્વાની પાશીત્ર દ્વા પાનત્ર, શ્મા ત્ર પાપી મેદ્વે ।” ૧૯ મેલ દ્વાલ પ્શ્ત્રીત્રાપે દુમીત્ર ત્રાન પાવી ત્રાગાશ્ત્રા

जन दुमीजन जंगुन गादन द्वापन जंगुन द्वा पानीन, जंगुन सादान
गाजर प्फाराहता। र्नु गाज र्नुह र्नुह न्नुह गजवन सदा गाज। ॐ हाउमन
वाने जंगुन सादान गाजर इ जंगुन सादीन द्वा न्नुह, इजा न्नापी र्नुह
वानरुह, इ र्नुह वदुहारे बुदाहनुन रागाज पनजनु न्नुह न्नुह।
रुहारे पेदा न्नुह न्नुह न्नुह (ननु,गाम दुहश साह) जागा दुवी गेन।

जम्पेनी शान गजव

१९

वादे जमी वेप्रेञ्जन साजे न्नुह न्नुह न्नुह न्नुह न्नुह, इहा
वदु सदाग न्नुह न्नुह। जमी देप्पराण, शानजम प्फेनीञ्जा
जम्पेन, पेन न्नुह न्नुह न्नुह न्नुह न्नुह। इजावे न्नुह न्नुह न्नुह न्नुह
दान न्नुह न्नुह, ननु,हम दीन न्नुह न्नुह न्नुह न्नुह न्नुह।

ॐ वादे जमी देप्पराण, जगुहमनन्ना पेदा प्फावन द्वा न्नुह, न्नुह
ननु गामने द्वा जागु,ननु, ननु न्नुह न्नुह वा ननु गामन न्नुह न्नुह न्नुह
जीनन्नुह, ननु,ननु देप्पराण। देप्पराण, ननु न्नुह न्नुह न्नुह न्नुह
ननु न्नुह न्नुह न्नुह न्नुह न्नुह। ॐ ननु न्नुह न्नुह
वन्नु न्नुह न्नुह न्नुह न्नुह न्नुह न्नुह न्नुह न्नुह न्नुह,

“न ननु-ननुगाम सावुदु न्नुह,
ननु न्नुह न्नुह न्नुह न्नुह न्नुह न्नुह न्नुह
ननु ननु ननु ननु ननु,
दान द्वा ननु ननु ननु ननु ननु।

ॐ ननु सावुदु, ननु,ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु
ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु
ननु ननु ननु ननु ननु ननु,
ननु ननु ननु ननु ननु ननु,
दान ननु ननु ननु ननु ननु ननु,
ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु।”

ॐ पेनवादे जमी देप्पराण, वेप्रेञ्जन द्वा शानदान ननु, ननु ननु ननु
ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु। ॐ ननु ननु ननु ननु ननु ननु
ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु ननु।

जानान प्हीन्नन नेबाद्ध जप्पीर वपानपदा पनीश्मान जन बुद्धन जप्पीर शुमान्नी पश्येही । १ प्त्तु वाहनजन जानदानन पेदाजने ब्रुत्त शान्नर प्हीनीश्माने शान्ना शुमान वाही दीत्ता । इ शान्नर वाही गना जप्पीर प्पान्नी जप्पा पापान गुप्पा, जेशम जुगे जुगे प्पान-प्पाशेशा जीम्मा जप्पैन । २ जप्पान प्पुद्धननी षप्पीशा ञ्पापी जे प्पुष्पा वानन्ननीज जप्पीर, ब्रुत्त प्पुष्पापे जप्पा वन गनी गेत्त । जन ब्रुत्त शान्नजन प्हीनीश्मान शान्ना गजव ना प्पुष्पानी पनजन्नु पोत्त गीत्त पावा वनन्न प्पाशाहन पानन्न ना ।

जप्पान गजवी शान्ना वाही

१७

वादे जप्पी प्पुग्गनाम, प्त्तु पावा वन ञ्पापी पेदाजने ब्रुत्त शान्नर प्हीनीश्माने जुने जुने डाप्पीत्त पाहना, “जुष्पना जान, गीत्त जप्पान गजवे गना ब्रुत्त शान्नर वाही पुगीत्तन उप्पने उप्पुहन्न पानी ङत्ती देत्त ।”

३ नेत्त प्पेत्ता प्हीनीश्पापे गीत्त ज्ञान वाही पुगीत्तन उप्पने उप्पुहन्न पानत्ता । पेत्तागी जानान गजन्नर प्त्तु जान्नुत्तन शीत्त जप्पीर, जेना ज्ञान शुत्तनीन पुजा पानन्न, इत्ता प्पप्पन्नरीन गजन्नर पेदा जानन प्पुव वाद् वीश प्पुष्पा देम्मा दीत्त ।

४ पुद्गुष्पा प्हीनीश्पापे ज्ञान वाही पुगीत्तन उप्पने उप्पुहन्न पानत्ता । नेत्त पुगीत्तन प्पप्पन्नर पानी गना शान्नर रत्तन रत्ताप्पाम ब्रुहगेत्त, पुगीत्तन प्पप्पन्नर जानदान गनीगेत्त ।

५ जन जीम गश्चन प्हीनीश्पापे ज्ञान वाही गांग जन प्पप्पन्नर प्पान्न-वीत्तन उप्पने उप्पुहन्न पानत्ता । पेत्तागी इत्ता ब्रुहगेत्त रत्तन गांग जन प्पान्न-वीत्त । ६ जन जप्पी प्पुग्गनाम, पान्नीन उप्पने जे प्हीनीश्मान प्पेष्पाना जप्पीर, पेहम पाहना,

“न्न पापा-पवीन्नर जप्पा, जुष्पी जगेत्त जप्पत्तापे, ब्रुप्पन्नर जप्पन्न ।
जुष्पी प्पपा-हमप्पाप्पपानी, जुष्पीत्त न इ गजवी शाजा दीत्तापे ।

७ इग्गुहमे पापा वग्गा ब्रुप्पन्नर रत्तु प्पनाहप्पे,
गवी ब्रुप्पन्नर रत्तु प्पनाहप्पे ।
पेत्तापेत्त जुष्पी इत्ताने ब्रुत्त रत्तु प्पावाह्नापे,
इत्तात्त जानान शचीप्पा पान्नामा शाजा ।”

१ ऋषी ऋणराज, ऋणवानी ऋणापे ऋपे ऋीरा,

“ऋ ऋणव-ऋषीभान ऋवुद ऋरा,
ऋभान ऋपार ऋवानु ऋप ऋण ऋषीप ।”

२ ऋहण ऋषण ऋषीभाने ऋण वाशी ऋणुजन ऋणने ऋणुहण
पाररा । ऋे ऋणुजने ऋषभा ऋेण ऋहण, ऋणशने ऋणुनीन ऋराहण
ऋणश ऋणान ऋगी । ३ ऋण शषपे ऋण गणषे ऋणशण ऋनीन ऋरी गेन,
ऋण ऋण गणव ऋपारण ऋणने ऋण ऋषभा ऋरे, ऋण ऋणान ऋणुदु
ऋणा ऋणुनी ऋण ऋगी । ऋणान वादेण ऋणा ऋणवा पारण ऋ, वा
ऋणान ऋनीण पारण ऋ ।

४ वादे पार ऋषण ऋषीभाने ऋण जाणुणन गदीन ऋणने ऋण वाशी
ऋणुहण पाररा । ऋे ह जाणुणन वादशह ऋणुहण ऋणुण । ऋणशे
ऋरा-ऋणुणपे ऋणनीन ऋणन ऋणुणहण । ५ ऋण ऋरा-ऋणुणना ऋण
ऋनीन वीश ऋणुण पारणे ऋणा वेणुश्री ऋणान ऋणुदु ऋणुनी ऋणन
ऋण, ऋणान वादेण ऋणान वद ऋणन ऋगी ऋणवा पारण ऋ ।

६ ऋण ऋपे ऋषण ऋषीभाने ऋण ऋपरा गांण ऋणानन ऋणने ऋण
गणवी वाशी ऋणुहण पाररा । ऋेण गांणन पानी ऋणुणहण ऋणन ऋशण
ऋणा ऋपारण जाहवान पण ऋण । ७ ऋण शषपे ऋषी ऋणुणराण, वैणन
ऋणुण ऋणन ऋण । ह ऋणन ऋण ऋणन, ऋण जाणुणन ऋण ऋण
गणु गवीन ऋणुण ऋणनी वानणहण ऋणु । ८ ऋण ऋण ऋपारने ऋणुणनी
ऋण ऋणुणनीन ऋणुण । ऋणा पारना ऋणन ऋणा ऋपारने ऋणुणन ऋरा
पारण, ऋणव-ऋषीभान ऋणान ऋण ऋपारण ऋणन ऋणुण पारण ऋगी ।

९ ऋणन ऋणुणन, ऋणन हणुपे ऋहणा, “ऋणन, ऋषी ऋणुण
ऋणुणनीनाने ऋणुण । ऋे ऋणुण ऋणुण ऋण, ऋे ऋण ऋणुणन ऋण ऋण
ऋणन ऋेवाणु ऋणुणनीन ऋणुण, ऋणुण ऋे ऋणुणन ऋणुण ऋणा ऋा ऋणे, ऋण
ऋणुणने ऋण ऋणन ऋा ऋणुण ।” १० ऋणुणनी ऋणुणने ऋे जाणुणन ऋण ऋण-
ऋणुणुण, ऋणुण ऋपारने ऋणुण ऋणुणुणने ऋणुणन ऋणुण ऋरा पाररा ।

११ वादे ऋण ऋषण ऋषीभाने ऋण वाशी वाणुणन ऋणने ऋणुहण
पाररा । ऋण शषपे वेणुश्री ऋेवाणुण-ऋणुणन ऋणुण ऋणुणनीन ऋणुण
ऋणुण ऋणुणन ऋणुण, “ऋणुणन ऋणुण ।” हणुण ऋणुणुण ।” १२ ऋेण ऋणुण

जीरपामा, गृह-गृही डापुत उन चाहा पदुन त्तागन, ऐनरगे त्ता वेजु,हजा
 गैद्वान त्तर, हजा गैद्वान दुगीजन गानुश पपेदा न्नापी त्त्तम पनजगु
 पदुगुदीम त्तरगे मा । १७ प्ताउ गपाम हाउम जीम हुपाना त्तरगेत, दुगीजन
 गामान जाजीन हाउम त्त्तन नुनगान त्तरगेत । उन त्त्ता पामन गनत
 त्तर, प्ताउ गामपाना बावीत हाउमन पाना, जाहम त्ताम नीजन गजवी
 गीशा-पामीन पीतरा गनीन त्त्त बावीतने प्पावाहता । १८ त्त्त श्शपे
 त्ताशाश दीप त्त्तन गामीन गेतरगी, पाप त्त्तनने उन देप्पा गेतर मा ।
 १९ त्त्तगान न्नापी वप वप पामनन त्तापाम पीतर त्त्तन गामशन उतने
 पपान न्तर । हजा पेपान पामनन उतम त्तर, त्त्तगाम पेप गम । त्त्त
 पीतरन गजवन त्तागी गामशे त्त्तान वीनुपुणे प्पुपुनी गान गानीत, हजा
 त्त्तीत प्पुव गानापुप गजव ।

गामपान बावीत हाउमन वीतान
 (१९:१-१९:१०)

गामपाना गपुता वदुशाहशनी

१९

जे शानजन प्फीनीकान त्त्तन शानशा बाही त्त्तीत, ऐन
 गानन पेपजने त्तर त्ताने पाहता, “तत्त, त्तर देप्पत,
 वउत पामीन उतने जे गपुता वदुशाहशनी वदुगे, जाहम पीजा शाना
 त्तरव । १ जगजन ताजा त्त्तने जाहन त्तागे जीमा पनद्वता, प्तमन
 गामशे जाहन जीमान गीशा-पामी प्पाहत हत त्तरद्वता ।” २ बादे
 प्ताउ प्फीनीकपे नुपुतानी प्तनने त्ताने गनुगुमीन गीता । प्तमन त्तागी
 देप्पताग, त्तात नंगन पेप जागुजन उतने पेप वेही वहनद्वे । त्त्त
 जागुजन गजतन वउत प्पुपुनी गाम त्तेप्पा त्त्ते । त्त्तन शानगु प्तता
 उन दुशगु पीते देप्पताग । ३ त्त्त वेहीपे त्तात उन बाहंगमी नंगन प्पुव
 दाशी प्तापप प्फीतीद्वे, जाह श्रुता उन दाशी दाशी गनी-गुपुतान गपेगादी
 प्तातीद्वे । जाहन त्त्तन जीमान गपेता उन गामान गमुतान गप्पनजी
 जीमीशे गना श्रुतान पेप पीतरा । ४ जाहन पामानत त्ता पेप गाम
 त्तेप्पा त्त्तीत, इ त्तेपान पेप गुपन गानी त्त्तीत । इ गाम त्तर,
 “गामपाना बावीत हाउम, वदुशाहश वेहीम उन जगजन प्तपान गप्पनजी
 जीमीशन मा ।” ५ त्तागी देप्पताग, त्त्त वेहीपे त्त्तान पाम वदु त्त्तन

रुतु जन जेना प्दानन इद्रान पाना नवनीम पाने, पेयान रुतु प्पाइरु
शरुतु रुशुगेद्रे ।

नाशने देप्पीरु जषी जवानमा नाइरुव रुशुराण । १७ मेउ प्दाउ
प्फीनीरुपे जषाने पाइरु, “जुषी नाइरुव रुशुगेरापे पाने? रुतु वेडीन
वेपाने, जन जे जानु, जनने नाशने वइरु नेन, जेगुन शानगु पान्ना जन
दुशगु, पीं, इजान गुपम नेदु जषी जुषाने जानाशरुन । १८ जुषी जे
जानु, जन देप्पदीरापे, इगु, जगे जप्पीरु, रुपम नाइ, वादे प्ते प्दावीरु
दुजपु न्पापी उठीरु जइरु बीनपानन रागी शाजा पाइव । प्दाउ
जेना रुतु जगजन मागुश, जेजान मागु दुमीजन पपेरा न्पापीउ
जन्नान जीमेगी प्पानान रेप्पा नाइ, नाना रुतु जानु, जनने देप्पीरु
नाइरुव रुशुजीवा, पानन इगु, जगे जप्पीरु, रुपम नाइ, रुनन
प्पीनवान देप्पा दीव ।

१९ “प्पुगन, रुपम जेना वाजाइरु रुशुव, इजा बुजान रागी जप्पन
दुपान । रुतु शानरु पान्ना रुशुरुगी, शानरु पाइ, जे पाइरु उपने
रुतु वेडी वइद्रे । रुतु शानरु पान्नाने शानजन वाजान बुजा जाइव ।

२० पेयान माजन पान वाजा जगेउ शेश रुशुगेद्रे । पेयान रुपम
जप्पे जन पेयान रुपमरु जइद्रे ना । रुतु वाजा जइरु पानने न्पु
पापेदीम नइनेउ रुशुव । २१ प्दाउ जे जानु, जन जगे जप्पीरु रुपम नाइ, प्ते
शानजन माजन पेयान रुशुगेरु, प्ते जप्पने जइ मषन वाजा । वादे प्ते
पान-पानेशा बीनपान शाजा पाइव ।

२२ “जन जुषी जे दुशगु, पीं देप्पदु, इजा रुशुरुगी दुशजन वाजा ।
नाना रुपमरु वाजन पाना शुरु पानद्रे ना, रुशुते प्दाउ जानु, जनन रुगे
वाजा वनीरु नाना प्पुव पान शरुपे वाजन पानान प्पेजना पाइव । २३ इ
वाजा रुपानन मरु रुशुव पेपइ राप्पान, नाना प्पाने नानान प्पेजना
जन पेपनीजन प्दाउ जानु, जनने दीराइव । २४ नाना शेषान वाइरुन
रुगे ज्पु पानव, जन शेषान वाइरुपे नानाने जनाइवा । पानन नाशन
रुशुरा मात्रीपान रुपानन मात्रीपान, वादुशा रुपानन वादुशा । जन नान रुगे
जेना नइवा नानाने दानन देरुन रुशुद्रे, जन वापीरु जरुगाइरु रुशुद्रे,
नाना प्पान-पानात्री ।”

२५ वादे रुतु प्फीनीरुपे जषाने पाइरु, “जुषी जे पानी देप्पदु, जे
पानीन उपने रुतु म्पाना वदुशाशनी वइद्रे, इजा रुशुरुगी वउज देश,

वञ्ज शागुश, वञ्ज जात्री जन वञ्ज जाजन वृत्तीपे शाजना शागुश।

१७ जन जे दशगु, प्री देप्पद्र, श्जापे जन वञ्ज जागु, जने इ वदुशाहशमीने वादे बीग्लाहवा, जाना जाहने पनन प्तपीन वागाशर त्रेगशा पानवा, जन जाहन गुञ्ज प्पाहवा, प्तेशे जाहने जगुनीन प्फाराह जात्राहवा।

१८ पेन प्तानन वृहत्त, ज्जापे जानान दीत्तन गाजे वृत्ता पेदा नीत्तन दीद्रैम, जाजे जाम शनजी पुनापुन प्फरे। पेनतागी जाना पेदाज वृहत्त प्त वञ्ज जागु, जनने प्तप्फर श्पेजना दीत्राहवा, जाजे ज्जान पाराम पुनापुन प्फरीवान जग पनजग्ग प्तो वाजग्ग प्तने। १९ जुमी जे वेडीने देप्पद्र, इग्ग वृहत्तगी प्त वञ्जपाना हावम, इ हावमे जगजन प्तपत्त राजाहग्ग वञ्जने वाजग्ग प्तनेन।”

मागपाना वावीत्त हावमन वीमाश

१८

श्जान वादे जशी जनपदा जम प्फरीतीञ्जाने देप्पताम, जाहन वेत्तेञ्ज न्नापी त्ताशीत्त जहना। जाम वञ्ज वदु श्पेजना ज्जरे, जाम श्पतीमान वत्ते ज्जना दुमीत्तपे प्फरशर पानत्त। १९ जाहन जुने जुने पाहत्ता, “वीमाश वृहत्ते, वीमाश वृहत्ते, प्त वञ्जपाना वावीत्त हावम। इप्पान वप्पान गुजन जप्पदा वृहत्ते, प्तप्फर वञ्जमान गुज-प्फेनजन जप्पदा, मापत्ता जन जगहग्ग प्तप्पीग्गन वशज प्ताना वृहत्ते।

२० प्तानन इप्पाने जाहन जीमान प्तानन वेजु, श्जा मीशा-पानी दुमीत्तन प्तपत्त जात्रीने प्पावाहत्ते। जगजन राजा वृत्तने जाहन त्तेगे जीमा प्तपत्ते, जगजन वेपानी श्पदागन वृत्तने वप्पामन जत्ते जत्ते त्तागाश-द्रादा मीशापे पती वमत्ते।”

२१ वादे जशी प्तुनताम, वेत्तेञ्ज न्नापी जनपदा जमे पाहत्ता, “वृ जमान वम्पा वृत्तने, जुशना वावीत्त हावम न्नापी वानवृहत्त जव, जाजे जुशना जाहन गुमान गागी मा वृत्त। जन जाहन वञ्जने जेत्ता गजव गाजीत्त वृहत्त, श्जा गजवे जुशने ना पापे। २२ जाहन गुमा मीत्त ज ज्जगामन्न त्तागीत्ते, जाहन माप्फनशानीन वापे ज्जापे प्फरीत्त प्तपत्तैम।

२३ वृहत्त जमन त्तेगे जाह जेत्ता प्तपत्ते, जुशनात्त जाहन त्तेगे वृत्ता प्तपत्त, जाहन प्तानन पुनापुन प्तानना जाहने देत्त। जे प्फरीत्तान गाजे जाह वृहत्त त्तागी माप्फनशानी गुत्ताहत्त, वञ्ज प्फरीत्तान जाहन पुनापुन शाजा, श्पुत्तजमा शाजा गुत्तीत्त जाहने प्पावात्त। २४ जाह मीजने वृहत्त

जगन्पाम वचाइ पानद्रे, जज वेशी वीत्ताशीजान घाजे जीमेगी पाशाइद्रे, तीपा जगन्पाम जममना जन दुप्प जाहने देल्ल। जाइ न खने खने पापे, जशी प्पु, फापी वेडी मी? जशी न तामीन जसमन्न बइदी, जशी प्पु, मन्नेळ दुप्प-मन्नीवजन्न प्पुजाण मापे। ८ पेत्रागी जाहन उचने पेपादीमेळ प्पामन्न गजव प्पुव। इ गजव बइन्न, मन्नेळ, वीत्ताप-जप्ताजानी, जन मीदाम। जाहने जगु, शमदी जात्ताइन्न बइव, पानम जेशम जाहन वीमान पानवा, इ जत्ता शाबुदु प्पुव वत्तवाम।”

९ जगन्न जज ताजा ब्पत्तरे ब्पुन्न त्तगे जीमा पानद्रे, जाहन त्तगे पौ-प्पुत्ता पानी वीत्ताशी दीम पाशाइद्रे, जाहने जात्तामीन वात्ता जाहन प्पुशा देप्पीज ब्पत्तापे प्पाम्मीवा, जाहन त्तामी जप्ताजानी पानवा। १० जाहन जममना देप्पीज त्ताना उचाइन्न दुनइ उवाइन्न पाइवा, “प्तापेने वावीन्न, प्तापेने प्तापे! ब्पुन्न मासपाना श्शळम, ब्पुन्न प्पेसजानत्ता श्शळम! ब्पुत्ता जत्तदी न्नुमान उचने गजव जइन्न मी?”

११ जगन्न वेपानी श्शदागन ब्पत्तरेन्न जाहन त्तामी प्पाम्मीवा जन जप्ताजानी पानवा, पानम त्तानान श्शान्न-फ्फाशाणा ब्पम्पम प्पु, शासशे त्ताइन्न मापे। १२ त्तानान श्शजा श्शान्न-फ्फाशाणा ब्पइन्न, श्शुमा, न्नुपा, दाशी दाशी मनी-मन्नेष्ठा, दाशी दाशी प्पाम्पु, वाशंमनी नंगन वादुशाइ प्पाम्पु, नेशशी जन त्तान्न प्पाम्पु, मामाम मन्नेमान प्पुशवपे जत्ता त्ताम्पु, जम्पनी दान्पदी वामाइन्न मामाम बीज, दाशी त्ताम्पुदी वामाइन्न बीज, पीजन्न, न्नुन्न जन श्शानवेन्न प्पाम्पुदी वामाइन्न मामाम फ्फाशाणा, १३ डाइन्नमीनी, पेत्राइन्न, जगन्न-प्पुशवपे, श्शुना-जन्न, न्नुवाम, नंगुन्न नश, जपेन्नुमन नेन्न, मपेदा-गम, मन्नु-शेफा, ब्पुत्ता जन नन्न, पेत्रागे प्पनीदा ग्पुत्ताम-वाम्मी ब्पत्तन्न।

१४ प्पुत्ता श्शदागन ब्पत्तरे पाइवा, “ब्पु वावीन्न, न्नुमी जे जत्ताम-जपेपेश पाइत्तापे वाइद्रेत्तापे, श्शजा न न्नुमान गेद्रे त्तामी प्पानी गेद्रे। न्नुमान प्पामन्न पम-फ्फाशाणा, जाप-जसप वीमाश ब्पुगेद्रे। श्शजा न जन प्पु, दीमेळ प्पेजन्न प्पान्न जाइन्न मापे।” १५ जेत्ता श्शदागन ब्पत्तरे ब्पुत्ता श्शान्न वेवशा प्पानीज पमी ब्पुद्रेत्ता, जाहन जममना देप्पीज प्पुत्ता वेपानी ब्पत्तरे उचाइन्न दुनइ उवाइन्न नइवा। त्ताना प्पाम्मी प्पाम्मी श्शान्न प्पानीज पाइवा, १६ “इश, प्तापेने प्तापे, दाशी दाशी मन्नेष्ठीम प्पाम्पु, वाशंमनी जन त्तान्न नंगन वादुशाइ प्पाम्पु प्पेम्मा वावीन्न श्शळम, श्शुमा

एत दाशी दाशी शमी-शुद्धा दीज दाजाशर-पादाशर त्तन माशपाया
 हाउम! १९ त्तन जतरदी मुशान त्तन चम-द्राशामान गाम्दान वीमाश
 त्तहगेत नी?”

शदागनी जाजत शानं एत पाप्राण त्तपात्रे, माशर त्तपात्रे, जाज एत
 पात्रन माशर पात्रवाची त्तपात्रे दुनह उवाशर शता देपवा। २० माशने
 जात्रामीन शशपे माशर चुशा देप्पीए ज्ञाना वीत्राशर पाशवा, “ह हाउमन
 त्ताप्राण माशपाया, जगत्रन एत प्द्रु, हाउम त्तप्पीर नी?” २१ ज्ञाना
 नीजत शान्दान च्चुशर शाम्पाशर वीत्रा-वीत्री पात्रवा एत पाग्दी पाग्दी
 शाम्म पाचीर पाशवा, “पात्रेने पात्रे, पात्र माशपाया वावीर हाउम,
 पात्रेने पात्रे! द्दीएत शाले जेनान जाज त्तान्तर पात्रे, ज्ञाना न जाजत
 पाशाह दीज वदुद्रपा त्तहद्रता, त्तपम देपनाए नी, त्तन जतरदी पात्रा
 पात्रान्ता वीमाश त्तहगेत!”

२२ त्तत शशपे पात्र प्फीनीश्रापे पाशरा, “त वेप्रेक, मुशी प्हुननी
 पात्रत, त्तत हाउमने वीमाश पात्राए प्दुशी पात्रत। त्त त्तज्ञान पात्रा
 वग्दा त्तपात्र, नवी-नद्रु त्तपात्र एत द्द्रापावी त्तपात्र, प्हुननी पात्रत।
 त्तगीपे मुशान वीनद्रु जेतता पात्रप्पीर, त्तपम त्तपात्रे माशर वीमान
 पात्रद्रैम।”

२३ वादे प्द्रुव शप्पीएतता पेपा प्फीनीश्रापे वीनाह पेपा पात्रन त्तमीन
 द्दीएत प्फाराशर पाशरा, “प्द्रुमत्र, त्तत माशपाया वावीर हाउमनेत्र
 त्तता उेप्टा शानी प्फाराश देत्रन त्तश्व, माशने एत प्द्रुदीम पात्रन
 जाशर गापे। २४ जेना शानीग्दा वाजापे, गाम गापे एत वाशी वा शींगा
 वाजापे, ज्ञानान त्तत्रज एत प्द्रुदीम मुशान शाले प्द्रुमा जाशर
 गापे। एत प्द्रुदीम त्त मुशान शाले प्द्रुजाज शेक्कनी शीत्रन गापे।
 प्द्रु, शशरा वीशान पाशान त्तत्रज प्द्रुदीम प्द्रुमा जाशर गापे।

२५ मुशान शाले प्द्रुदीम प्द्रु, वाक्कीन प्फन जेतन गापे। दाशाम-
 पाशमान गत्रान त्तत्रज एत प्द्रुदीम मुशान शाले प्द्रुमा जाशर
 गापे। पात्रन त्तज्ञा जगत्रन शाले मुशान शदागन त्तपात्र माशपाया
 त्तप्पीर, जगत्रन पात्रा जात्री मुशान द्द्रु-वन्नीन जादुपे पागत्र
 त्तहजीज। २६ एत नवी-नद्रु त्तपात्रे, त्तज्ञान पात्रा वग्दा त्तपात्रे,
 एत जेत शानशने ह जगत्रन प्द्रु पात्रा त्तहद्रे, ज्ञानान त्तत न मुशान
 त्तत वावीर हाउमत्र शीत्रे।”

વેપ્ત્રેક્ષ્ણ જન્નાજાન્નાન જાનીષ્

૧૨

પેનવાદે જઠી વેપ્ત્રેક્ષ્ણ ઝાજે વઝન ઝામશન નીષન જન્નજલ
 દ્વુમરાઝા. જાના પાશના, “જન્ન-પ્ત્રાઝદુત્તીન્ના! ઝપ્તીઝા જન
 પ્પેઝના, જપ્પેનાનન ઝાજાન, દ્વુપ્પદનનાઝ જઝનાન જન્નાન. ૧ જાન
 વીનાન જ દ્વુપ્પા જન ઝાષીપા. જે ઝાઝમે નીજન જીમાન પ્પાઝ દ્વીન જન્ના
 દ્વુનીજને ઝાપ્પાપા વાઝાશ્ફીર, દ્વુઝ ઝપ્પા-વદ્ધાશ્ફાનીને જન્નાપે ઝાજા
 દ્વીપ્પેન. જાન ઝાપ્પેન ગુત્ત્રાઝ જ્જપાત્તન ર્ઝઝન વદ્ધા, જાશન જ્જગુન ગેદ્ધ
 નાપ્તી ર્ઝશ્ફેન.” ૨ પેના પ્ત્રીનવાન પાશના, “જન્ન-પ્ત્રાઝદુત્તીન્ના! જ્જગુન
 ઝાજ નાપ્તી પ્પાન-પ્ત્રાઝેશા પ્પુઝા વાનજ્જશ્વ.” ૩ જન્ના પાપા જેશન જ્જપ્પર
 વજ્જન જ્જપ્પેન, દ્વુઝ વઝીશ્જન ઝુનઝી ગેજાપે જન દ્વુઝ વાશ્જન જાનદ્વુને
 જામને શ્ફજ્જદા પાનીન પાશના, “જઠીન! જન્ન-પ્ત્રાઝદુત્તીન્ના.”

૪ જ્જઝ ઝાઝપે વેપ્ત્રેક્ષ્ણી જ્જપ્પર નાપ્તી પેપાજમે પાશના, “જ્જ જન્નાન
 ઝાપ્પેન ગુત્ત્રાઝ જ્જપાત્ત, જ્જઝના જેના જન્નાને ઝનાન, જ્જઝના દ્વુનુ-વદ્ધ
 દ્વુપ્પદને જઝનાન જન્નાન જાનીષ્ પાનજ.”

૫ વાદે જઠી વઝન ઝામશન નીષન જન્નજલ વા જુને જુને પાત્ત-
 પાત્રાશ્જ પાની પ્પાન જન્નજલ વા જુને ઝાઝા પ્પાન જન્નજલન
 જ્જાપ્પાન જ્જઝ પાન્નાપ્પાનાશ્ન દ્વુમરાઝા, “જન્ન-પ્ત્રાઝદુત્તીન્ના! જઝનાન
 શનવ-શ્ફીઝાન ઝાવુદ્ જન્નાપે વાદ્ધાશ્ પાના શુનુ પાનદ્ધેન. ૬ જન્ન,
 જઝના ઝનન પ્પુશીપે પ્પુનઝી પાની, જન જાન જાનીષ્ પાની, પાનન
 ઝેપાન વાશ્ઝાપે શાધી પાનાન ઝાઝપે જ્જઝેદ્ધે, જાન પાશના જુશ્ન જ્જશ્જ
 પ્પાજીગેદ્ધેન. ૭ જામને વપાવપા પનીઝ્ઝાન દાઝી પ્પાપ્પ પ્પીન્નાશ્જ
 જ્જશ્ફે.” ૮ પ્પાપ્પ જ્જશ્જ જન્નાન પાપા વન્ના જ્જપાત્તન પનેજઝાની
 વાત્ત-વત્તન.

૯ વાદે દ્વુઝ પ્પીનીઝ્ઝાપે જઝાને પાશના, “જ્જઝી જ્જપ્પાન જ્જેપ્પર, ઝેપાન
 વાશ્ઝ્ઝાન શાધીન ઝલઝીદ્ધર જેનાને દ્વારજ દેજ્જન જ્જશ્ફે, જાના ઝુવાનપા.”
 જાશન પેન્નાન પાશના, “શ્જા જ્જશ્જ જન્નાન પાત્રાઝ, શ્જા પ્પાઝી પ્પાપ્પા.”

૧૦ જેઝ જઠી જ્જઝ પ્પીનીઝ્ઝાને શ્ફજ્જદા પાનાન નીર્રને જાન પાનજ
 પ્પુત્રાઝ, જ્જશ્જે જાશન જઝાને પાશના, “પ્પાપે, પ્પાપે! શ્જા પ્પીના પાનપાપે,
 જઝીર જ્જ જ્જઝાન જ્જાપ્પાન ગુત્ત્રાઝ, જન જ્જઝાન જે ઝુઝીન ઝાશ જ્જપાત્તે
 પ્પાનન શ્ફાન પ્પાપ્પે જવાનવન્ધી દેજ્જન નપે, જઠી જાનાન જ્જાપ્પાનજ

गुत्ताण । जे प्पारती ज्ञाने शहजदा पानन्न । ब्रुत्त श्श्रुत्त जवानवन्दीत्त
ब्रह्म, गवी-नद्दत्त ब्रपत्तन जवानवन्दीन श्श्रुत्त प्पुत्ती ।”

जप्पेनाज्जन बीवान

(१९:११-२०:१९)

वादशा ब्रपत्तन वादुशान जै

ॐ वादे जग्गी देप्पत्ताण, वेत्तेञ्जन द्दुत्तन प्पुत्ता, जत प्तमन्न चत्ता
पेप्पत्ता बुत्ता जप्पे । प्तत्त बुत्ताण उत्तने जेश्म नशनीप्प नाप्पट्ठेण, जाम माण
ब्रह्म, प्पत्ता जत प्पत्ता-प्पत्तात्तात्ती । जाह्म प्पत्ता-त्तनेजगानीपे बीवान-
हमद्दप्प जत जुद्दु प्पानेण । ॐ जाम वत्तप्प ब्रह्म जात्ताहत्त वत्तवत्ता
जग्गुमीन त्ताप्पाम, जाम शान्नाज वत्तज जज जप्पे । जाम शनीत्तन्न ब्रमण
पेप्प माण त्तेप्पा, जे माणन शानी जाह्म द्दत्ता द्दुत्तना प्पेत्त जागे मा ।

ॐ जाम प्पत्तीत्त जप्पे वत्तन शजे उवाहत्त वेवाद्द, जत जाम माण ब्रह्म,
“प्पारतीशान्नुत्ता, ज्ञान प्पाराण ।” ॐ जत वेत्तेञ्जन शीप्पाह ब्रपत्ते दाग्गी
द्दप्प-द्दुत्तना चत्ता वेवाद्द प्पत्तीत्त, चत्ता बुत्ताण उत्तने द्दुत्तन ब्रह्म
जाम प्पने प्पने जाह्ना । ॐ जाह्म जात्ते जगज्जन प्पत्तत्त जात्तीने शाजा
दीत्ता प्पानेण, ब्रजान त्ताग्गी जाम श्शुत्त ज्पत्ती पेप्पाम चानाहत्त न्नुत्तन
वान्नहत्त जहत्त । जाह्म न्नुत्तन त्ताग्गी दीत्त जाणाम जात्तीने शाशम
पानवा, जत जंगुत्त श्शान्न जामन्न शानशे जेत्ता प्पत्तदी जंगुत्त श्शान्न,
शानव-शम्पतीशान्न ज्ञान त्ताग्गी गजवदी जाह्म ब्रत्ता श्शारीवा । ॐ जाम
त्तनाज्जन शजे जत जाम वेवाद्दन्न ब्रत्त माण त्तेप्पा जप्पे, “वादशा ब्रपत्तन
वादुशा, श्शारतीत्ता ब्रपत्तन श्शारतीत्ता ।”

ॐ वादे जग्गी देप्पत्ताण, श्शुत्तन शजे पेप्पत्तन प्पत्तीत्ता उवाह
वह्मत्त । जप्पत्ताण शजे जेत्ता प्पत्तीत्ते उत्तीना, जाह्म पेत्ता प्पत्तने ज्जने
ज्जने उत्तीत्त प्पत्ता, “जत्त, ज्ञान द्दुत्तवान्न श्शत्ता-द्दत्तज्ज प्पत्तन त्ताग्गी
पेप्पामन्न द्दत्ता ब्रत्त, ॐ जात्ते न्नुत्तना जहत्त गुत्त प्पत्तापे प्पानन्न, वादुशा,
त्तनचाम शीप्पाह, प्पत्तेत्तन ब्रपत्त, बुत्ताह्म जत बुत्ताह्मन्न द्दुत्तन
ब्रपत्त, जजाद्द जत गुत्ताण, द्दुत्त-वत्त प्पत्तत्त शानशन गुत्त प्पत्त ।”

ॐ पेत्तावेदे जग्गी देप्पत्ताण, ब्रत्त बुत्ताण जेश्म द्दुत्तन ब्रह्मत्त, पेत्त त्तागे
जत पेत्त शीप्पाह द्दत्तन त्तागे जुद्दु प्पानान त्ताग्गी प्तत्त जाग्गुत्तन, जज्ञा

दुगीजन राजा ब्रह्मर, ज्ञानान शैल-शीलाइ द्र रहर पेप्पामन्न द्रता
 ब्रह्मा । ॐ जेठ द्रतु जागुजनने चनीन जह्म पाया ब्रह्म, जन जे गळ
 गवीपे ज्ञान पक्ष रहर जवानपा पाष देप्पाह्न, जानेन्न चना ब्रह्म ।
 जेना शानशे द्रतु जागुजनन शीर रागाह्द्रे, ज्ञान मुननीन पुजा पानद्रे,
 ब्रतु गळ गवीपे ज्ञान जवानपा पाष देप्पाह्न ब्रजा शानशने वे-पनी
 वागाह्द्रे । इ दुहन्नहाने जीम्हा पाररने, जात्राहर गळपान जगुमीन गाजे
 प्हात्तामी ब्रह्म । ॐ द्रतु चरा ब्रुपान उचने जेशन वन्नजन जद्रता, ज्ञान
 मुप्प नापी जे पानाहर जद्रजन वानब्रह्म जह्मरीर, ब्रप्पामदी ज्ञानान
 रगन शंग-पंग ब्रह्मरने पुन पाना ब्रह्म । ऐतरामी पारर पाम्पीने
 पेष्ट चनीन ब्रजान गुरु प्पाह्ता ।

पेदा ज्ञान वद्रनन वपेजम

२०

ऐववादे जशी देप्पराख, वेपेद्र नापी ऐदाजन प्हीरीझा
 राशीन जह्ना । ज्ञान जन्न जद्रीर प्हावीन दुजप्पन वावी,
 जन पुव वप ऐदाहा रंगन । ॐ जाह्न द्रतु दामवने चनरा, इगु ब्रह्म
 द्रतु पुनागा द्राप्, ऐ गळ ब्रह्म श्वरीद्र वा शपेजाम । जाने चनीन
 पेदा ज्ञान वद्रनन रागी वामीरा, ॐ वामीन प्हावीन दुजप्पन्न
 प्हात्ताहरा । वादे ब्रतु दुजप्पन पुननन जारा रागाह्न ऐ उचने शीर-
 वापद्र शानरा, जात्रे प्ते ब्रतु ऐदा ज्ञान वद्रनन गाजे वानब्रह्म,
 दुगीजन प्द्रगु जाजीने वे-पनी वागाह्न ना पाने । प्तेशे जाने पुद्रा
 पापेदीमन रागी द्रापा ब्रह्म ।

ॐ वादे जशी देप्पराख, वउज जप्प जद्रे । जेना ब्रतु जप्पन उचने
 वह्द्रेन, ऐाने वीवान पानान प्पेजना देन्न ब्रह्द्रे । ज्ञान पार्राख जन
 द्रजनन इद्रान वेपाने जवानवळी देन्नरपे जेनाने मनदगा शाना ब्रह्मरीर,
 ऐान पुद्रा ब्रह्मरनेर जशी देप्पराख । ऐा द्रतु जागुजनने वा ज्ञान
 मुननीने पुजा पानद्रे ना, जन जन्न वा पापारन उचने ज्ञान शीर
 रागाह्द्रे ना । ऐा जीम्हा ब्रह्म उचरा, उचीन पेदा ज्ञान वद्रन चनी
 जन्न-गर्दीन रगे वादशाह पानरा । ॐ - ७ इष्ट ब्रह्म पपेरा वान मुनदा
 नापी जीम्हा ब्रह्म उच, जन ब्रतु जेना जीम्हा ब्रह्मा ज्ञानात पहर
 जन पवीन्न । पपेरा वान जेना जीम्हा ब्रह्म उचरा, ऐान उचने ज
 गउजन पुद्रनावान प्द्रगु वन्न प्पाशामी वन्न गापे । ज्ञाना ब्रह्मा ज्ञान

पान्नाम जन जन-मद्रीन इशास। ज्ञाना प्ताउ पेदा जजान वद्वन चनी जन-
मद्रीन नगे वादशाह पानवा। न्हने न्हउ जजान वद्वन प्हुनामीन जग
पनजम वाद-वापी प्हु, मुनदा जीम्हा न्हना ना।

इवतीके-शपेजानेन शेश दशा

१ न्हउ पेदा जजान वद्वन गीज प्ताउने शपेजानेने ज्ञान जेन प्तामा
नापी प्तामा देनन न्हव। २ जेउ प्ते गीज जक्का जगजन प्तापान
जाजीने, शागी इजजुज-शाजुजने वे-पनी वामाश्व, जन जुम्हा पानान
शागी ज्ञानाने पेप्पामन प्ता पानव। ज्ञान शागुन न्हवा, प्नीजन वन
वानन प्तापान, इजा गनीज प्हुनामी जाइज मापे। ३ न्हउ शपे जशी
देप्पामन, ज्ञाना जक्का प्नीज नापी वाननह गीज ज्ञान प्ताम वम्हा
नपानन न्नजन जागा, ज्ञान शापेजन हाउने गीज वेनीनीन। न्हने
ज्जमान नापी ज्ञानह जगुहन शाशीज इजाने जाणाश्रीन। ४ जन
जे इवतीके पेदाने वे-पनी वामाश्रीन, ज्ञाने चनीज जाणाश्र गम्पान
जगुमीन गाजन्न प्ताशाह न्हन। प्ताउ जागुजन जन गळु मवीने जगेउ
न्हउ गाजन्न प्ताशाह न्हनीन। प्तामन ज्ञाना वीनपान न्हवा, जन दीने-
नाहने जाणा-जननान जजान प्ताहवा।

जुज प्ताशजन दीन

५ वादे जशी देप्पामन, वप पेप्पाम चना जम्प, न्हउ जम्पन पेदाजन
वन्नन ज्जैन। ज्ञान प्तामना नापी ज्जमान जन प्नीज शागी जेन,
प्हुम्पामन पेदान जागा न्हन ना। ६ पेनवादे देप्पामन, प्हु-वप जामाश
मुनदा नपान न्हउ जम्पन प्तामने उवाह न्हनैन। वादे प्तापान प्तामा
पुना न्हन, पेनवादे जनन पेप्पाम प्तामा पुना न्हन, इप्पामन गाज
जीमेदी प्तामा। न्हउ प्तामा नपानन शाजे प्ताउ मुनदा नपानन जेना
जमन-मशा शेप्पा न्हनीन, प्ताउ जमन शाप्पीपान ज्ञानान जम्पेनी वीजान
पाना न्हन। ७ प्नीजन शाजे जज मुनदा नपान ज्जमान, प्नीजपे पेदान
शाश वान पानी दीन। जन मज्जन जन प्तापेवन शाजे जेना मुनदाहन
ज्जमान, मज्जन जन प्तापेवने ज्ञानाने वान पानी दीन। पननेपान जनेने
ज्ञान नीजन जमन-मशा शाप्पीपान वीजान पाना न्हन। ८ प्तेशे मज्जन
जन प्तापेवनेने जगुमीन गाजन्न प्ताशाह न्हन। न्हउ जगुमीन गाजन्न

मपेन जेनुजान्नेम शाउम

६१ दाउ जे शाजजम फ्हीनीझान जजन्न जप्पेनी शाजन्न गजव
 बना शाजशा वाही जप्पीन्न, पेनान शाजन पेदाजने जमान पाम्दान
 जहज माहन्ना, “जन्न, जमी नुमाने माहमा-वेही देप्पाहम्, शानी
 शेदान वाहम्मान वउने देप्पाहम् ।” ६२ वादे दाउ फ्हीनीझापे नुपामा
 दाराने जमाने वप पेदा उवा पापन उवने ररहज गेत्ता । नीज जन्नान
 मप्टीमापे वपावपा जे पवीन्न जेनुजान्नेम शाउम, वेप्टेञ्जन माज
 माप्टी जन जन्नान दनवानन्न माप्टी रागीज जन्नजन्न जप्पीन्न, रउ
 फ्हीनीझापे जमाने रजा देप्पाहन्ना । ६३ इ शाउमन नँ प्पुव दाशी मनी-
 म्पुपान राम्पाम वपावपा, फ्हीपान मन्नाशन मम्पुमापे दाशी प्तीनान
 राम्पाम । ६४ दाउ शाउमन्न वप पेपाम उवा रन्नर जप्पीन्न, रउ रन्नरन्न
 वानरन्पाम गेहह जप्पीन्न, वानर गेहहन्न वानरजम फ्हीनीझा जप्पन्ना ।
 रउ गेहहन्न उवने वनी ह्पन्नाहन्न वानर प्पाम्दानन मास र्नेप्पा । ६५ इ
 गेहहन्न जीमप्पाम प्पुवेदी, जीमप्पाम उन्नवेदी, जीमप्पाम दउपामेदी जन
 जीमप्पाम प्पह्वशेदी जप्पीन्न । ६६ इ शाउमन रन्नरन वानरशा पीरान
 जप्पीन्न, ह्जान उवने शेदान वाहम्मान वानरजम द्पाम्पावीन वानरन्पाम
 मास र्नेप्पा ।

६७ जमान रगे जेशम वाजनीज पानाज जप्पन्ना मान जजन्न शुमान
 पेदाशा मन्न जप्पीन्न, जाने जाहम रउ शाउम, शाउमन गेहह जन रन्नर
 माप्टीजा पानेन । ६८ इ शाउम जप्पीन्न माहनपुमी मुन्न, राम्मापे जन
 फ्हापे शमान । वादे जाहम रउ मरदी शाउमप्पाम माप्टीने, ह्पाम
 राम्मा, फ्हाप जन उवापे ररहन्न वानर जजान झादीज (रन्नुमान देप
 जजान माहन्न) । ६९ वादे जाहम रन्नर माप्टीन्ना, इ रन्नर जप्पीन्न पेदाश
 वउवादीश जज उवा । शामशन जजन्न मापन राम्पाम इ फ्हीनीझापेन्न
 माप्टीन्ना । ७० इ रन्नरन्पाम प्तीनादी वामाहन्न, जन इ शाउम जप्पीन्न
 फ्हीपान मन्नाशन राम्पाम प्पाही शुमादी वामाहन्न । ७१ शाउमन रन्नरन
 पीरान रन्पन्नर माजे दाशी दाशी मनी-म्पुपान रामाहन्न जप्पीन्न । पपेन्ना
 पीरान प्तीनान, दुप्पनाशा जप्टीपा मनीन, जीम मम्बनशा जाशा मनी,
 माहन मम्बनशा पाम्पा मनी, ७२ पान मम्बनशा शुनुज मनी, फ्पे मम्बनशा
 ह्जपुन्न मनी, शाज मम्बनशा तीन्न मनी, जह मम्बनशा वैदुन्न मनी,

मापे मखनहा चीज खनी, दुश मखनहा उतर खनी, पेमानर मखनहा फीनुज खनी, उन वानर मखनहा पदुनाम खनी । ३३ वानरपाम गेहख वानरहा म्पुप्रादी वामाहर । पननेपा गेहख जद्रीर पेतरहा दाशी म्पुप्रा । हाउमन नाझा जद्रीर फहीपन मनाशन ताम्पाम प्पाही शुमादी वामाहर ।

३४ ह हाउमर जमी प्पु, पेवादज-पामा देपतराज मा, शनव-शम्पीमाम जन्ना मावुद उन खेदान वाहम्माउ जदरता इनन पेवादज-पामा । ३५ ह हाउमने फन पानन रागी प्पु, वाम-शुनुजन जनुन माह । जन्वान मुनन म्पदीमापे फन देपे, उन खेदान वाहम्माउ रहरता इनन वात्री ।

३६ प्पामर जाजीन मागुश रउ मुनन फने वना-फीना पानवा, दुमीजन वादुशा रपारे ज्ञानन जाप-जमपा रहर रउ हाउमर जहवा । ३७ दीमन वारा प्पु, शमपेउ ह हाउमन गेहख वम्पु रहर मापे, उन पीमर प्पु, नाहन रहर मापे । ३८ जामाज जाजीन हल्लन उन मउनव रनर जमा रहर । ३९ मापामा प्पु, बीज, पानामपुन वा शीद्रा माजना प्पु, मागुश, प्पु,दीमर इनर पामाहर पानन मापे । प्पाही खेदान वाहम्मान जीमेगी प्पामान माजे जेनन माज त्रेप्पा जफे, जामाउ पामाहवा ।

जीमेगी-पामीन गांग

२२

पेवादे प्पु फीनीझापे जमाने जवे-पामेज, मागी जीमेगी-पामीन गांग देप्पाहरता । इपतहा देपने वपामपा पामन ताम्पाम । हहा जन्ना पामा उन प्पु खेदान वाहम्मान जम्पन पानर न्पादी वानरहर, ३३ हाउमन वष मन्नीन माजपामेदी जारजन जद्रीर । उन रउ गांगन दुहर पानर जीमेगी-माद्र जद्रीर । रउ माद्राहमर वानर जाजन फर फने । पननेपा माशे माशे फर फने, रउ माद्रन पामापे प्पामर जाजीन मागुशन वेमान शीफा रपे । ३४ प्पु,जान रान्नन उन नहर मापे । जन्ना पामा उन खेदान वाहम्मान जम्पु रउ हाउमर नहव, उन जाम गुतराज रपारे जाम पेवादज पानवा । ३५ जामा जाम पवीर म्पु देपवा, ज्ञानन पामारर जाम माज त्रेप्पा न्पाव । ३६ उन प्पु, नाहन रहर मापे, ज्ञानन रागी त्रेमन वा शुनुजन फनन जनुन रहर मापे, पानन जन्ना मावुद मुनउ रहर ज्ञानन फन । जामा पान-पामेशा बीनपानर फनी वादुशाह पानवा ।

दाजनम इद्रा जत्र-मद्री जत्रदी जहना

७ वादे दाउ फहीनीझाणे जगाने दाहता, “इता दापारना पेदीम पानान राम्प दाफ्रा। जत्रा शावुद, जेशम जगे ज्ञान गवी ब्रपारन शाजदी वाजनीज पानद्रेम, जाहम गीजन फहीनीझाने दीद्रेम, जात्रे नुदा दापेदीमन शाजे जेजा बडीव, बउ फहीनीझाणे इता जाम गुत्राज ब्रपारने देप्पाहम।”

८ दाजनम इद्राणे दाहता, “दा,मन्न, जशी प्पुव जत्रदीउ जहनाम। जे जगे बउ पीजावन दापारन जपेजमन जगाअ प्पवन जअन पावे, प्ते-उ मेपा-पापानी।”

९ जे इद्रा जत्र-मद्रीन दाप्रावी जशी दाबाने इता देप्पदी जत्र दा,मद्री। दापारना दा,मा जत्र देप्पान वादे, जे फहीनीझाणे जगाने इता देप्पाहद्रेम, जशी ज्ञानने शहजदा पानान गीजने जाम पाबन्न पदराज।

१० बहने जाहम जगाने दाहता, “गा, गा! जुशी जगाने गाणे, प्पानी जत्रा दापाने शहजदा पानन्न। जशी ज प्पानी जुमान राम्पान गुत्राज, जुमान गाहजहम शागी गवी ब्रपारन राम्पान जत्र इ पीजावन दापारन जपेजम जेजा शाने, ज्ञानान राम्पानउ गुत्राज।”

११ पेनवादे जाहम जगाने दाहता, “बउ पीजावन दा,नु जगाअ प्पवन जुशी नुदाहज नाम्पीन्न गा, पानम शअणे बगाहज जहद्रे। १२ जेगीणे गाफ्जशागी पावेन, प्ते ब्रता पानाज नउपा। जेगु प्पवीद्रे, इगु ज्ञान प्पवीद्रीज नउपा। जत्र पनेजमान जगे पनेजमानी पानाज नउपा, दापा-पवीन्न जम दापा-पवीन्न नउपा।”

१३ दाजनम इद्राणे दाहता, “दा,मन्न, जशी प्पुव जत्रदी जहनाम, जत्र पनजेपा शानशन जअन-गमान प्पु,श्मान जगान जन्न जद्रे।

१४ जशीउ जत्रीफ् जत्र इज, जउजत्र जत्र जप्पेन, शुनु जत्र शेश।

१५ “जाताउ मेपा-पापानी, जेजा गीजन दापद-नुपद चहज पनीश्मान पावे, जात्रे जीमेगी-गादन फ्फन्न प्पानजत्र ब्रपीपान पाणे, जत्र गेशेदी गीज पवीन्न शउमन्न दाशाणे। १६ दा,पानन राम्पान जगहन्न शानु,श, जादुगीन, जीमापुन, प्पुमी, शुननीपुजा पानना, जत्र जेजाणे शीफ्रा शान पदम पावे, शीदान शाजे वत्रे, इता दाफ्फरशी वावे पडी नहद्रे।

१७ “जे जशी इद्राणे जगान फहीनीझाने दाचाहद्री, जात्रे ऐशम जगान ब्रपारन रागी जुमान गेद्रे ब्रता दापारन वेपाने जवानवदी देशम। जशी

જ વાદુશા ઢાલુદન પ્પામ્દાન ડન ષુદ્ધ જલ, વ્વજનન વપાવપા શુદ્ધ-
મેના ।” ૧૧ પાપા વુદ્ધે ડન વાહનાપે વાહના, “ડલ્લ ।” ડન જે જને રૂલ
વના વુદ્ધેન, વ્વે-રૂ વાલપા, “ડલ્લ ।” વામીન વીડલ્લે જાને વનલ્લે, વ્વે
ડલ્લપા । જે જને વામી વ્વાહજ વાપે, વ્વે વીના વાપેશાપે જીલ્લેગી-વામી
વ્વાલપા ।

૧૨ જે જને રૂલ વીજાવન વ્વપાવ ડગાઘ વ્વવન વુદ્ધે, જાન મેલ્લે ડઘી
રૂલ જવાનવલ્લી વીડન, વ્વેલ જુદ્ધી રૂલ ડપેડન રૂવપાવન ડગે વુદ્ધના
વુદ્ધા વાવાપે, જે ડલ્લાવેલ્લ રૂલ વીજાવલ્લ વ્વેવ્વા વ્વપાવન નઘુનાન મલવ
જાન જીલ્લેગીન વાવાહવા । ૧૩ ડન રૂલ વીજાવન ડપેડન રૂવપાવ વ્વાવ્વી
વ્વેલ જુદ્ધી વુદ્ધા વાવુ વેવે, જે ડલ્લાવેલ્લ ઇ વીજાવલ્લ વ્વેવ્વા જીલ્લેગી-ગાલ્લ
ડન વવીલ્લ ષાલનન રૂવ્વીવ્વાન, જાન જીલ્લેગી વ્વાવ્વી વાવુ વીવા ।

૧૪ રૂલ વેવ્વાન રૂવપાવ ડહડ જેહન જવાનવલ્લી વીના, જાહન વાહના,
“વ્વાલ્લાલ, ડઘી વ્વવ જલ્લુ વી ડહનાઘ ।”

ડઘીન । વ્વવનન ઇલ્લા, ડવને જશનીલ્લ ડનલ્લપ્પા ।

૧૫ ડલ્લાન જાઘાઘ વ્વાવ વલ્લા રૂવપાવન લવ્વને, વ્વવનન ઇલ્લાન
વવ્વલ્લ જાની ડલ્લપા । ડઘીન ॥

વ્વવનન ॥